www.sutrakarsamachar.com
सब्सक्राइब करें

सच का पैरोकार

सूत्रकार

वर्ष : 60, अंक : 171
रांची, सोमवार
24 जून 2024
पेज -08, मूल्य : 3 रुपया
अषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया
विक्रम संवत, 2081

DL No.30/2022 रांची व कोलकाता से प्रकाशित

वनडे वर्ल्ड कप हार ने मुझे सोने नहीं दिया

नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

जांच के लिए पटना-गोधरा भेजी जाएंगी टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी

पेपर लीक के मामले ने इन दिनों देशभर में सुर्खियां बटोरीं हैं। अब खबर है कि नीट-यूजी में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पहली एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी से जुड़े अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 5 मई को आयोजित की कई नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओ और धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो का कहना है कि इस मामले में एफाआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले कीजांच के लिए सीबीआई ने विशेष टीमों का गठन किया है। ये टीमें बिहार के पटना और गुजरात के गोधरा भेजी जा रही हैं। दरअसल पटना और गोधरा में स्थानीय पुलिस ने कई मामले दर्ज किए हैं।

इससे पहले बिहार पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को भी गिरफ्तार किया था। वहीं, नीट पेपर लीक का कनेक्शन महाराष्ट्र में भी मिला है। पुलिस ने दो अध्यापकों से

पेपर लीक मामले में पूछताछ की है। जिन अध्यापकों से पूछताछ हुई है, उन्हें नांदेड़ की आंतकरोधी स्कवॉड ने शक के आधार पर पकड़ा।

सीबीआई को सौंपी गई है पेपर लीक मामले की जांच

बता दें कि विपक्ष और सामाजिक संगठनों ने नीट यूजी का पेपर लीक होने का आरोप लगाया और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। ऐसे में केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी। बिहार पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में स्वीकार किया कि परीक्षा से एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। पुलिस अब सॉल्वर गैंग के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

एनटीए महानिदेशक को भी बदला गया

केंद्र सरकार ने अनियमितताओं की शिकायत के बाद नीट और यूजीसी नेट समेत कई अहम परीक्षाएं कराने वाली एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को उनके पद से हटा दिया है। साथ ही एक पैनल का गठन किया है, जो नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच करेगा। बीती 5 मई को हुई नीट यूजी की परीक्षा में करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे, लेकिन जैसे ही 4 जून को रिजल्ट घोषित किए गए और उसमें 1500 से ज्यादा छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने का खुलासा हुआ तो मामला अदालत में पहुंच गया। इसके बाद एनटीए ने छात्रों को दिए ग्रेस मार्क्स हटाने और इन छात्रों की परीक्षा फिर से लेने का फैसला किया। आज इन 1500 से ज्यादा छात्रों की फिर से नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की जा रही है। साथ ही नीट के कथित पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी चल रही है।

छापेमारी के लिए नवादा पहुंची सीबीआई टीम पर हमला, ग्रामीणों ने की मारपीट

नवादा, एजेंसी

यूजीसी नेट पेपर लीक मामला नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के मुरहेना पंचायत के कसियाडीह गांव से जुड़ा है। सूचना पर शनिवार को छापेमारी करने पहुंची सीबीआई और पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान सीबीआई टीम के चालक के साथ मारपीट की गई। मामले को लेकर सीबीआई टीम के हेड ने रजौली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

ग्रामीणों ने फर्जी बताकर की मारपीट

शनिवार को लगभग चार बजे सीबीआई टीम नवादा पुलिस बल के साथ मुरहेना के कसियाडीह गांव निवासी अभियुक्त फूलचंद प्रसाद की पत्नी बबिता कुमारी के घर से छापेमारी कर वापस लौट रही थी। इसी बीच घरवालों व लगभग 200 से 300 लोगों की भीड़ जमा हो गयी और सिविल ड्रेस में रही सीबीआई व पुलिस टीम को नकली बताकर घेर लिया। टीम में शामिल अधिकारियों ने पहचान पत्र भी दिखाया और नवादा नगर थाने की महिला कॉस्टेबल काजल कुमारी ने भी लोगों को समझाने-बुझाने का बहुत प्रयास किया। किंतु भीड़ में रहे लोगों ने उनकी एक न सुनी और उनके साथ बदतमीजी करने लगे।

थानाध्यक्ष ने लोगों को समझाया

भीड़ सीबीआई ने टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में सीबीआइ टीम के वाहन चालक संजय सोनी बुरी तरह घायल हो गया। सीबीआइ के एक अधिकारी का शर्ट फट गया व महिला कॉस्टेबल पर मुरहेना पंचायत के वार्ड संख्या 16 के वार्ड सदस्य मिथिलेश प्रसाद द्वारा अपमानजनक इरादे से हमला किया गया और सीबीआई टीम को गालियां दी गयी। सीबीआई की टीम ने स्थानीय लोगों द्वारा की जा

रही बदसलूकी की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। रजौली पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची औ थानाध्यक्ष ने किसी तरह समझा-बुझाकर ग्रामीणों को शांत कराया।

मोबाइल और कई दस्तावेज जब्त कर ले गई सीबीआई

जानकारी के अनुसार, यूजीसी नेट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार युवक के तार सियाडीह की एक लड़की से जुड़ा है। छापेमारी करने आई टीम ने दो मोबाइल फोन, कुछ बैंक पासबुक की फोटोकॉपी और यूजीसी नेट से जुड़े कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं और उन्हें अपने साथ ले गई है

चार आरोपित किए गए गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए एक युवती समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान कसियाडीह गांव निवासी फूलचंद प्रसाद की पुत्री राधा कुमारी उर्फ मधु, श्रवण कुमार के पुत्र प्रिंस कुमार, चुनचुन प्रसाद के पुत्र ललन कुमार व राजेन्द्र प्रसाद के पुत्र अमरजीत कुमार के रूप में की गयी है। सभी गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

इस बाबत पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने कहा कि सीबीआइ व पुलिस टीम पर हुए हमले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। आगे भी जरूरी कार्रवाई की जायेगी।

बाबूलाल के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी बीजेपी

राज्य की वर्तमान सरकार देश की सबसे भ्रष्ट और घटिया सरकार : शिवराज सिंह चौहान

रांची, सूत्रकार

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुटी झारखंड भाजपा ने रविवार को विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा की उपस्थिति में प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता बैठक की। इस बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ साथ सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए।

भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यकर्ता बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शामिल रहे। यहां हिमंत ने कहा कि राज्य में भाजपा और एनडीए ने लोकसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और वह इसके लिए राज्य की जनता के साथ साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद करने आएं हैं।

बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में देश के कृषि मंत्री और झारखंड के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में आज के तारीख में जो सरकार चल रही है वह सबसे घटिया और भ्रष्ट सरकार है। इस सरकार में हर तरफ लूट है। खनिज की लूट, कोयले की लूट, ट्रांसफर

पोस्टिंग में लूट ही लूट है। मंत्री-मुख्यमंत्री जेल में हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब राज्य की जनता ने इस भ्रष्ट सरकार से मुक्ति का फैसला कर लिया है।

राज्य की महागठबंधन सरकार ने जनता से छल कर 2019 में बनाई थी सरकार

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य की जनता 2019 में झामुमो और महागठबंधन के लोकलुभावन लेकिन झूठे नारों के चक्कर में फंस गई थी, लेकिन आज स्थिति दूसरी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी देने के वादे का क्या हुआ। नौकरी नहीं दे सकने पर बेरोजगारी भत्ता देने वाले वादे का क्या हुआ यह आज जनता पूछ रही है।

52 विधानसभा सीट पर हम आगे, अगली सरकार भाजपा की होगी : सरमा

वहीं, हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में राज्य के 52 विधानसभा क्षेत्र में भाजपा आगे रही है। इससे साफ होता है कि अगला विधानसभा चुनाव जीत कर एनडीए सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवार को लीड नहीं दिला सकें, उनकी लोकप्रियता के बारे में क्या कहा जाए। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चम्पाई सोरेन की जगह वह होते तो तत्काल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिए होते।

ये नेता बैठक में हुए शामिल

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा की आज में संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, सांसद निशिकांत दुबे, विद्युत वरण महतो, ढुल्लू महतो, कालीचरण सिंह, पूर्व विधायक सीता सोरेन, पूर्व सांसद गीता कोडा, पूर्व मंत्री लुइस मरांडी, पूर्व मंत्री सीपी सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, भानु प्रताप शाही सहित कई नेता शामिल हुए।

राज्य की विकास को लेकर सरकार संकल्पित : सीएम

घाटशिला में करोड़ों की योजनाओं का किया शिलान्यास -उद्धाटन

घाटशिला, सूत्रकार

राज्य सरकार झारखंड के विकास को लेकर दृढ़ संकल्पित है, और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरणे पहुंचा रही है। हमारी गठबंधन सरकार की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए झारखंड के हर गांव में स्मार्ट मॉडल स्कूल खोली जायेगी। पाईप लाईन के माध्यम से हर किसानों के खेत तक अगले सीजन तक पानी पहुंचेगी, ताकि कृषि के मामले में हम समृद्व बन सके। 25 से 49 वर्ष तक के सभी वर्गो के महिलाओं को अगले माह से एक हजार रुपया पेंशन मिलना शुरू हो जायेगा। साथ ही लोगों को अब 125 यूनिट की जगह 200 यूनिट बिजली भी फ्री में मिलेगा।

अबुआ आवास की राशि भी अब बढ़ेगी और लोग अब तीन कमरा वाला घर, हॉल, किचेन और शौचालय में मिलेगा। किसानों को दो लाख तक ऋण भी माफ किया जायेगा। इतना ही नही दिव्यांग, वृद्व महिला पुरुष के लिए बस सेवा भी फ्री होगी। उक्त बातें मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने रविवार को ताम्र प्रतिभा मैदान में लाभुकों के बीच एक सौ 17 करोड़ परिसंपत्ति के वितरण एवं योजना के शिलान्यास और उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। चंपाई सोरेन ने बुरुडीह डैम का जिक्र करते हुए कहा कि प्रकृति के गोद में बसा प्रकृति का यह अनुपम भेंट को संजाने संवारने में सरकार कोई कोर कसर बाकी नही रखेगा और डैम के विकास को लेकर अलग से फंड मुहैया कराया

जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने झारखंड की जनता को अभी तक सिर्फ ठगने का काम किया है, भाजपा के राज्य में घाटशिला, मुसाबनी और राखामाइंस क्षेत्र के सभी कल कारखाने बंद हो गये, जिसके कारण आज 15 से 20 हजार लोग बेरोजगार हो गये है, लेकिन राज्य सरकार चुप नही बैठेगी और इसे खोलवाने के लिए जरुरत पड़ी तो दिल्ली तक जाकर इसे हर हाल में खुलवायेंगे। चंपाइ सोरेन ने कहा कि अगले दिसंबर तक राज्य का स्वरुप बदलने के लिए कई तरह के विकास योजना चलायी जायेगी, जिसका धरातल पर भी असर देखने को मिलेगा।

मुख्य मंत्री ने कहा कि भाजपा के गलत नितियों के कारण झारखंड के लोग अब भी गरीब है। लेकिन राज्य सरकार लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए निजी कंपनी में 50 प्रतिशत स्थानीय लोगं को रोजगार देने का निर्देश दिया है। समारोह को विधायक रामदास सोरन, संजीव सरदार, समीर मोहंती, हिदायत खान, राजु गिरी समेत अन्य लोगों ने संबोधित किया।

117 करोड़ 43 लाख के परिसंपत्ति का किया गया वितरण

ताम्र प्रतिभा मैदान मउभंडार में मुख्यमंत्री में परिसंपत्ती के वितरण के साथ साथ कई योजना का शिलान्यास और उद्घाटन किया। जिसमें 20 हजार 484 लाभुको के बिच 71 करोड़ 63 लाख 420 रुपये शामिल है। जबकी 15 योजनाओ का शिलान्यास 14 करोड़ 88 लाख 44 हजार 58 रुपया की लागत से शामिल है। इसके साथ ही 2126 योजना का उद्घाटन 30 करोड़ 91 लाख 55 हजार 40 रुपया की लागत से किया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने किया आईईडी विस्फोट, सीआरपीएफ के दो जवान शहीद

सुकमा, एजेंसी

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई जारी है। तो वहीं नक्सली भी सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आज यानी रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को आईईडी विस्फोट से उड़ा दिया। इस विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई कोबरा के दो जवान शहीद हो गए हैं। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह विस्फोट राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास हुआ। इधर विस्फोट के बाद खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम अमझर और मुहकोट के जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। धमतरी एसपी अंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि गोलीबारी में कई नक्सली घायल होने की संभावना है। दरअसल विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया था जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

गश्त लगाने के दौरान हुआ हादसा

कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट

एक्शन (कोबरा) की 201वीं इकाई का एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर गश्त के लिए जा रहा था। जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की गई थी। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे। पुलिस ने बताया कि नक्सलियों ने जवानों के ट्रक को निशाना बनाकर ही आईईडी धमाका किया।

नक्सलियों का बड़ा हमला

नक्सली विस्फोट को लेकर एडिशनल एसपी आकाश राव ने कहा कि सुकमा के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में सिलगेर और तेकुलागुडेम के बीच आज यानी रविवार को दोपहर नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर सुरक्षा वाहनों को उड़ा दिया। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ कोबरा 201 बीएन के दो जवानों की शहीद हो गये। मौके पर सर्च ऑपरेशन जारी है।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में कांस्टेबल शैलेंद्र और वाहन चालक विष्णु आर शहीद हो गये हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला। इस दौरान नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है।

लोस का पहला संसद सत्र आज से, नए सदस्य लेंगे शपथ

पहले दिन ही हो सकता है विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो जायेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। वहीं लोकसभा स्पीकर के पद के लिए चुनाव भी होंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। अप्रैल-जून में हुए लोकसभा चुनाव बाद यह पहला लोकसभा सत्र होगा। 18वीं लोकसभा में एनडीए के पास 293 सीटों के साथ बहुमत है, जबकि भाजपा के पास 240 सीटें हैं। विपक्षी इंडिया ब्लॉक के पास 234 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के पास 99 सीटें हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के सदस्य सुबह 11 बजे से शपथ लेंगे। पीएम मोदी के शपथ लेने के बाद मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्य शपथ लेंगे। इसके बाद अलग-अलग राज्यों के सांसद एल्फाबेटिकल ऑर्डर में शपथ लेंगे यानी असम के सांसदों का क्रम सबसे पहले आएगा, वहीं पश्चिम बंगाल के सांसद सबसे आखिर में शपथ लेंगे। सोमवार को मंत्रिपरिषद समेत 280 नवनिर्वाचित सांसद ही शपथ लेंगे, जबकि अगले दिन (25 जून) 264 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे।

प्रोटेम स्पीकर के पद पर विवाद

सत्र के पहले दिन ही बीजेपी नेता और सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद हो सकता है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने इस पद के लिए कांग्रेस

सदस्य कोडिकुन्निल सुरेश के दावे को नजरअंदाज किया है। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में महताब को लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाएंगी। इसके बाद महताब संसद पहुंचेंगे और सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू करेंगे। इसके बाद लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की सूची सदन के पटल पर रखेंगे। राष्ट्रपति ने लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ/प्रतिज्ञान दिलाने में महताब की सहायता के लिए कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), टीआर बालू (डीएमके), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंद्योपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को नियुक्त किया है।

लोकसभा स्पीकर के पद के लिए चुनाव 26 जून को होगा और उसके बाद प्रधानमंत्री अपने मंत्रिपरिषद का सदन में परिचय कराएंगे। राष्ट्रपति 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। 28 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस शुरू होगी। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी 2 या 3 जुलाई को बहस का जवाब देंगे।

जमानत पर रोक लगाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में जमानत दे दी थी, जिसपर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। अब दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली के सीएम ने रविवार को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत पर लगाई गई रोक के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने कल सुबह सुनवाई की अपील की है। आम आदमी पार्टी ने ये जानकारी दी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा, 'जब तक हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई किए जाने तक ट्रायल कोर्ट (राउज एवेन्यू) में कोई कार्यवाही शुरू नहीं होगी।

न्यूज फ्लैश

पर्यावरण मित्र घाटशिला ने पावड़ा मैदान के किनारे लगाए 11 छायादार पौधे

घाटशिला, सूत्रकार

पर्यावरण मित्र घाटशिला ने आज रविवारीय विशेष पौधारोपण कार्यक्रम के तहत पावडा मैदान में रोड के किनारे किनारे 11 छायादार पौधे लगाए एवं पूर्व में लगाए गए पौधों को भी सुरक्षित किया। विदित हो कि पर्यावरण मित्र घाटशिला के सदस्य प्रत्येक रविवार किसी न किसी सार्वजनिक जगह पे पौधारोपण का कार्य करता है और उसे सुरक्षित करता है।पिछले कुछ रविवार से लगातार पावडा मैदान में पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा ताकि उसे एक पार्क का स्वरूप दिया जा सके।

आज के पौधारोपण अभियान में प्रो. इंदल पासवान, डा. संदीप चंद्रा, प्रो. चिरंतन महतो, मिहिर भकत, लोकनाथ महतो और जयंत नायक ने सक्रिय भूमिका निभाई।

माहुरी वैश्य महिला समिति का 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

कतरास, सूत्रकार

माहुरी वैश्य महिला समिति कतरास के तत्वावधान में रविवार को माहुरी समाज भवन कतरास में आयोजित 6 दिवसीय हॉबी ब्यूटीशियन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया। शिविर में 70 प्रशिक्षित महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला समिति के उपाध्यक्ष सुनीता सेठ ने कहा कि माहुरी महिला समिति कतरास द्वारा लगातार समाज के उत्थान के लिए सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं। समिति की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी। मौके पर वार्ड नंबर 3 के निवर्तमान पार्षद विनायक गुप्ता, प्रकाश राम गुप्ता,अधिवक्ता अवधेश गुप्ता,मनोज राम गुप्ता रमित गुप्ता मनोज गुप्ता,माहुरी समाज के सचिव नीरज गुप्ता,शालिनी सेठ संजय गुप्ता,दिलीप गुप्ता,उमेश चरणपहाड़ी केंद्रीय उपाध्यक्ष रजनी गुप्ता,प्रीति गुप्ता,माहुरी महिला समिति सचिव शिखा गुप्ता,उपाध्यक्ष कविता गुप्ता,कोषाध्यक्ष रुचि गुप्ता,प्रशिक्षक विभा सेठ, दीपाली,ममता गुप्ता,संजीता देवी,पूनम गुप्ता, शिप्पी गुप्ता,डब्ली गुप्ता,प्रतिमा गुप्ता,अर्चना सेठ,ज्योति गुप्ता,जूली गुप्ता,दीप्ति गुप्ता आदि उपस्थित थी।

पुलिस टीम ने लोहा चोरी करते रंगे हाथ चोर को धर दबोचा, चोरी का लोहा और पिकअप वैन जब्त

चिरकुंडा, सूत्रकार

मैथन स्थित निरसा अनुमंडल कार्यालय में निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला के द्वारा रविवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया।प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसडीपीओ ने बताया कि विगत कुछ दिनों से धनबाद ग्रामीण जलापूर्ति योजना से संबंधित लोहे की पाइप चोरी की सूचना मिल रही थी। वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा टीम का गठन कर पाइप चोरी में संलिप्त व्यक्तियों का पता लगाकर विधि सम्मत कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया था।जिसके आलोक में शनिवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निरसा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। रविवार की दोपहर लोहे का पाइप चोरी करते हुए रियाजुद्दीन जो की कुमारडूबी क्षेत्र का रहने वाला है जिसको टीम द्वारा रंगे हाथ पकड़ा गया।तथा दो लोहे की पाइप जिसकी लंबाई लगभग 7 फीट वजन 2 टन एवं महिंद्रा पिकअप संख्या डब्लू बी 37बी 5441 तथा एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल सेट जप्त किया गया। जबकि 10 से 12 व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। छापेमारी टीम में मुख्य रूप से सर्किल इंस्पेक्टर अक्षय राम पर ओपी प्रभारी जोगेंद्र कुमार, मुकेश सुरीन, गोधन कुजूर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मैथन स्थित टायर दुकान में लगी आग, अग्निशमन विभाग की टीम ने पाया काबू

चिरकुंडा, सूत्रकार

मैथन हाईवे टोल के समीप रविवार के अहले सुबह पांच बजे स्थित टायर दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की सूचना डीबी सीके (सीआईएसएफ)केंद्रीय आद्यौगिक सुरक्षा बल के अग्निशमन ईकाई क्षेत्र संख्या छः स्थित कार्यालय को मिली तो आनन फानन में एएसआई (अग्नि) बी के सिंह के नेतृत्व में चार अग्निशमनकर्मियों की टीम मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।अग्निशमन टीम के सही समय पर पहुंच जाने से सिर्फ एक लाख की संपत्ति आग में स्वाहा हो गई मगर तीन लाख की संपत्ति जलने से बच गई।आग बुझाने बाली दल में श्री सिंह के अलावे धर्मेंद्र कुमार,राकेश कुमार,आई एस ठाकुर शामिल थे।

प्रकृति की खूबसूरत देन है बुरुडीह डैम, इसे बेहतर टूरिस्ट प्लेस बनायेगी सरकार : सीएम

घटशिला, सूत्रकार

रविवार को घटशिला के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने पहुचे मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने घने जंगल -पहाड़ से घिरे बुरुडीह डैम का खूब प्रशंसा किया। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग जमशेदपुर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सीएम ने बताया कि झारखण्ड अलग राज्य आंदोलन के दरम्यान रामदास बाबू (घटशिला के वर्तमान विधायक) के साथ बुरुडीह सहित घटशिला के सुदूर गाँव में कई -कई दिनों तक समय बिता चुके हैं। पेड़ को रक्षा सूत्र बांध कर पर्यावरण के रक्षा का संकल्प लिया। इस मौके पर दर्जनभर पौधे अतिथियों ने लगाया।

श्री सोरेन ने बुरुडीह डैम और इसकी आसपास घने जंगल -पहाड़ की खूबसूरत नजारे की चर्चा करते हुए कहा कि यहां पर्यटकों के सुविधा और सुरक्षा के लिए

झारखंड सरकार जल्द ही योजना बनाकर उसे मूर्तरूप देगी। उन्होंने कहा कि बुरुडीह डैम का पानी सिचाई के लिए किसानों को उपलब्ध हो, ऐसी व्यवस्था राज्य सरकार करेगी।

1.94 एकड़ में 62 करोड़ की योजना का प्रस्ताव : डीएफओ

सीएम चंपाई सोरेन का स्वागत करते हुए जिला वन पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी ने बुरुडीह डैम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यहां 1.94 एकड़ रिजर्व फॉरेस्ट भूमि पर वन श्री इको रिसोर्ट बनाने का प्रस्ताव वन विभाग ने तैयार किया है। इसके तहत यहां 17 इको कॉटेज (गेस्ट हाउस), एक मुख्य द्वार (बिरसा द्वार) और सुरक्षा गार्डो के लिए भवन बनाया जाने का प्रस्ताव है। वन विभाग की ये योजना लगभग 62 करोड़ की है।

वन विभाग के इस कार्यक्रम में सीएम के साथ विधायक रामदास सोरेन, आरसीसीएफ, रेंजर दिग्विजय सिंह, रेंजर विमद कुमार के अलावे कई वनरक्षी उजस्थित थे।

घाटशिला कॉलेज में यूजी सेमेस्टर वन में नामांकन आज से

घाटशिला, सूत्रकार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार वर्षीय स्नातक सेमेस्टर वन में घाटशिला कॉलेज में नामांकन को लेकर चांसलर पोर्टल पर 2721 छात्रों ने आवेदन किया है।यह पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी अंगीभूत महाविद्यालयों की तुलना में सबसे अधिक है।

नामांकन को लेकर घाटशिला कालेज के विभिन्न विषयों में स्वीकृत सीटों के आधार पर मेरिट लिस्ट आरक्षण के नियमानुसार आज प्रकाशित कर दी जाएगी।

नामांकन के संदर्भ में घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने बताया कि 24 जून को नामांकन की प्रथम मेघा सूची प्रकाशित की जाएगी तथा 25 जून से 4 जुलाई तक नामांकन लिया जाएगा।रिक्त बचे सीट पर दूसरी एवं तीसरी सूची भी प्रकाशित की जाएगी। नामांकन के बाद 18 जुलाई से कक्षा प्रारंभ करवा दिया जाएगा।

प्राचार्य डॉ चौधरी ने बताया कि नामांकन प्रारंभ होते कॉलेज में हेल्प डेस्क लगवा दिया गया है ताकि

नामांकन करवाने में छात्रों को कोई परेशानी नहीं हो। साथ हीं उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु नामांकन प्रभारी डॉ एस पी सिंह के संयोजन में नामांकन समिति कार्य करेगी। प्राचार्य डॉ चौधरी ने यह भी बताया कि नामांकन के समय विद्यार्थियों का मेजर विषय के प्राप्तांक के आधार पर मेरिट लिस्ट निकाली जाएगी। छात्र जब नामांकन के लिए कॉलेज आएंगे तब उन्हें मेजर विषय के साथ अन्य विषयों में माइनर विषय क्या रखना होगा तथा एमडीसी विषय क्या होगा, इसका निर्धारण विभागीय शिक्षकों से मिलकर नामांकन प्रपत्र सत्यापन के समय विद्यार्थी तय करेंगे।

प्राचार्य ने यह भी बताया कि सेमेस्टर वन में विद्यार्थियों को मेजर विषय 100 अंक, माइनर विषय 100 अंक, मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स (एमडीसी) 75 अंकों का पढ़ना होगा।इसके साथ अनिवार्य विषयों में एईसी हिंदी 50 अंक, वैल्यू एडेड कोर्स (वीएसी) में अंडर स्टैंडिंग इंडिया 50 अंक एवं एनवायरमेंटल स्टडीज 50 अंक तथा एईसी में डिजिटल एजुकेशन 75 अंकों का सभी विद्यार्थियों को पढ़ना होगा।

प्राचार्य ने यह भी बताया कि विद्यार्थियों को कालेज में नामांकन के बाद प्राप्त चालान से चांसलर पोर्टल पर उसी दिन पंजीयन करवाना अनिवार्य है। पोर्टल पर पंजीयन होने के बाद ही नामांकन पूर्ण माना जाएगा। जो विद्यार्थी कालेज में नामांकन के बाद पोर्टल पर पंजीयन नहीं कराएंगे, उनका नामांकन सही नहीं होगा।

बाइक लिफ्टर गिरोह के चार सदस्य चढ़े तिसरा पुलिस के हत्थे, 5 बाइक बरामद

झरिया/तिसरा, सूत्रकार

तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार एवं धनुडीह ओपी प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर चोरी की पांच बाइक सहित चार अपराधीयों को पुलिस ने पकड़ कर जेल भेज दिया। इस संबंध में रविवार को तिसरा थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सिंदरी एसडीपीओ भूपेंद्र प्रसाद राउत ने बताया की बिते 21 जून को तीसरा थाना क्षेत्र में 12 बाइक सहित पांच लोगों को पकड़ा गया था पकड़े गए अपराधी भी उसी गैंग के हैं।

पहले पकड़े गए अपराधियों द्वारा दिए गए जानकारी पर पुलिस ने गोलमारा निवासी राणा सिंह उर्फ रजनीश सिंह को और अलकडीहा बस्ती निवासी रोहन सिंह, कुइयां बस्ती निवासी विजय महतो, हुचुकटांड मुकुंदा निवासी विश्वनाथ रवानी को धर दबोचा। इन लोगों के पास से पांच बाइक भी पुलिस ने बरामद की है। बरामद बाइक में स्प्लेंडर प्रो, हीरो स्प्लेंडर, होंडा शाइन, टीवीएस अपाची, एचएफ डीलक्स है। डीएसपी ने बताया कि इन अपराधियों ने

स्वीकार किया है कि निरसा केन्दुआ, गोविंदपुर, डिगावाडीह झरिया धनबाद आदि क्षेत्रों से बाइक चोरी करते थे पिछले दिनों पकड़े गए अपराधी के साथ इन लोगों का गहरा पैठ था। टीम में तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार, धनुडीह ओपी प्रभारी पवन कुमार, मृत्युंजय तिवारी, ताला मरांडी, राजनाथ सिंह एवं सशस्त्र बल के जवान थे।

पानी के पाइप की चोरी करते चार चोर पकड़ाए

वहीं एक अन्य घटना में तिसरा थाना प्रभारी ने गुप्त सूचना के आधार पर गोल्डन पहाड़ी के समीप पीट वाटर के लिए बिछाई जा रही पाइप की चोरी करते हुए चार अपराधी को गैस कटर के साथ घर दबोचा सभी को जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में डीएसपी भूपेंद्र राउत ने बताया कि वरीय अधिकारी को लोहा चोरी की सूचना लगातार मिल रही थी इसी आलोक में टीम गठित किया गया इसके बाद छापामारी की गई यहां से कुसमाटांड़ निवासी बादल महतो, सुभाष चंद्र महतो, जितेंद्र महतो, उमेश महतो को पुलिस ने गैस कटर, चोरी के पाइप, काटा गया लोहा बरामद किया है।

जिला कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला फूंका

जमशेदपुर, सूत्रकार

नीट यूजी में भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को साकची गोलचक्कर पर विरोध-प्रदर्शन किया।इस दौरान पार्टी की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पार्टी के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत केंद्र की एनडीए सरकार में भारत के छात्र नौजवानों का भविष्य लगातार अंधकारमय होता जा रहा है। नीट यूजी 2024 के परिणाम में संगठित भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी राष्ट्रव्यापी आंदोलन चला रही है।

उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार की आंख के नीचे इतने बड़े घोटाला और भ्रष्टाचार को लगातार संरक्षण दिया जा रहा है। हमें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि इस संगठित भ्रष्टाचार का एक-एक पहलू उजागर होगा और दोषी सलाखों के पीछे होंगे।

रेस्क्यू टीम को मिली सफलता, चानक में कूदने वाले कृष्णा का शव निकला

धनसार, सूत्रकार

बीते गुरुवार को बिसीसीएल के ईस्ट भगतडीह 9 न० बंद अंडरग्राउंड खदान में छलांग लागने वाले चौथाई कुल्हि हरि मंदिर बाउरी मोहल्ला निवासी 21 वर्षीय कृष्णानंद साहनी का शव बिसीसीएल के माइंस रेस्क्यू टीम व स्थानीय लोगों के सहयोग से अंततः 57 घण्टे बाद खदान से बाहर निकाल लिया गया।रात करीब 7 बजे रेस्क्यू टीम को सफलता मिली।

कृष्णा का शव बाहर आते ही पूरा इलाका परिजनों और उसके जानने वालों के चीत्कार से गूंज उठा। शव को पहले मृतक के घर ले जाया गया इसके बाद झरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया। बताते चलें कि गुरुवार की रात करीब 12 बजे कृष्णा ने किसी कारण बीसीसीएल के ईस्ट भगतडीह 9 न०

बंद खदान में छलांग लगा ली थी। रात होने की वजह से उस दिन रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं चल पाया था। शुक्रवार की सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। पहले दिन माइंस रेस्क्यू की टीम को सफलता नहीं मिली जिसके बाद शनिवार को पटना से 18 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम मंगाया गया। एनडीआरएफ की टीम ने भी माइंस रेस्क्यू टीम के साथ शनिवार को कृष्णा को लगभग 350 मीटर गहराई वाली इस खदान से बाहर निकालने का प्रयास किया पर तीसरे दिन भी टीम को सफलता नहीं मिली। रविवार की सुबह फिर से माइंस रेस्क्यू की टीम ने बचाव कार्य शुरू किया और अंततः शाम 7 बजे के समीप कृष्णा का शव बाहर निकाला जा सका।

विवेक हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त सुशांत समेत सात आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला, सूत्रकार

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के कल्पनापुरी में विवेक नामक युवक की 19 जून की रात हुई हत्या के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सरायकेला-खरसावां के एसपी मनीष टोप्पो ने रविवार की देर शाम ऑटो क्लस्टर सभागार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में एसडीपीओ संतोष मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की थी। इस टीम में आदित्यपुर थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह, पुलिस केंद्र के अवर निरीक्षक संतन कुमार तिवारी, गम्हरिया थाना के अवर निरीक्षक विपुल कुमार ओझा, सरायकेला थाना के अवर निरीक्षक सतीश वर्णवाल भी शामिल थे। हत्या कांड के पांच आरोपी खरसावां के जोजोकुडमा से और दो अन्य आदित्यपुर के बेल्डीह से गिरफ्तार किये गये। एसपी ने बताया कि सभी गिरफ्तार युवकों ने अपराध कबूल लिया है जिन्हें जेल भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में बेल्डीह निवासी सुशांत सिंहदेव उर्फ टूना सिंह, सोनू वर्मा उर्फ सोनू बच्चा बागबेड़ा, खरसावां के दुशासन महतो, खरसावां के जय प्रकाश महतो, भाटिया बस्ती आदित्यपुर के सूरज तांती उर्फ सूरज तंतुबाय, राजेन्द्र महंत उर्फ राजन और राजनगर के मान सिंह मुर्मू शामिल है। पुलिस ने अपराधकर्मी के पास से 5 देसी पिस्टल, 14 कारतूस, 2 बोतल बम, 2 बाइक और एक मोबाइल बरामद किया है। इस कांड के मुख्य अभियुक्त सुशांत उर्फ टूना पर आदित्यपुर, सरायकेला और खरसावां थाना में छह आपराधिक मामले दर्ज हैं, बाकी अपराधियों के आपराधिक इतिहास जुटाए जा रहे हैं।

युवक को घर से बुलाकर मारी गोली, गंभीर

जमशेदपुर, सूत्रकार

जुगसलाई थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित बलदेव बस्ती में रविवार सुबह 7 बजे पुराने विवाद को लेकर बस्ती के ही रहने वाले प्रहलाद नामक युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर करण सिंह को गोली मार दी। गोली करण के सिर पर लगी। घटना के बाद हमलावर बाइक से भागने की फिराक में थे पर बस्तीवासियों ने हमलावरों को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और करण को इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। करण को सीसीयू में भर्ती कराया गया है। गोली उसके सिर में फंसी हुई है। इधर पुलिस तीनों आरोपियों को थाना ले गई जहां सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मौके से एक बाइक, हमलावरों के चप्पल, खोखा और एक पिस्टल भी बरामद किया है।

घटना के बाद भागने के फिराक में थे हमलावर

करण के पिता की मौत हो चुकी है। वह अपनी मां के साथ रहता है। शनिवार रात बस्ती के ही रहने वाले प्रहलाद से उसका विवाद हुआ था। रविवार सुबह करण पानी भरने के लिए घर से निकला था तभी प्रहलाद उसे बुलाकर अपने घर ले गया। वहां पहले से ही भुइंयाडीह छायानगर के दो युवक मौजूद थे। सभी ने मिलकर पहले तो मारपीट की और फिर करण से सिर में गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर भागने की फिराक में थे पर उन्हें पकड़ लिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, दो गिरफ्तार

लूट का माल बरामद

कतरास, सूत्रकार

बीसीसीएल क्षेत्र संख्या चार के अंगारपथरा आटो वर्कशाप में बीते दिनों हुई लूट मामले का उदघेदन पुलिस ने कर लिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो अपराधी को पकड़ा है और उनकी निशानदेही पर लूट की सामग्री भी बरामद की है। सिजुआ स्थित बाघमारा पुलिस अनुमंडल कार्यालय में रविवार को मामले का खुलासा करते हुए एसडीपीओ आनंद ज्योति मिंज ने पत्रकारों को बताया कि घटना के बाद टीम का गठन किया गया था। टीम ने जोगता निवासी मो कासिम अंसारी तथा मो० अमजद अंसारी को पकड़ा है। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अन्य साथियों के

नाम भी बताए। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गये सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना में शामिल अन्य बदमाशों को भी चिन्हित कर लिया गया है। जल्द ही सभी अपराधी कानून की गिरफ्त में होगा। बता दें कि बीते 18 जून की रात अपराधियों के दल ने कर्मियों को बंधक बनाकर लाखों रुपये मूल्य की सामग्री लूट लिया था। इस दौरान अपराधियों ने दो कर्मी की पिटाई कर जख्मी कर दिया था।

न्यूज फ्लैश

गिरिडीह में तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह, सूत्रकार

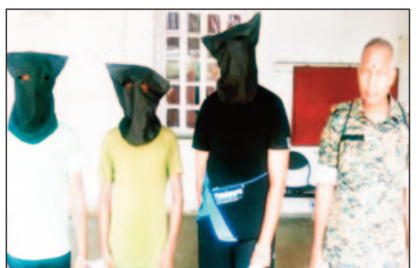

साइबर क्राइम कंट्रोल करने लिए गिरिडीह पुलिस के द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसा गया है। पुलिस ने तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से बाइक, मोबाइल, सिमकार्ड आदि बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा मोबाइल वाट्सएप पर एसबीआई योनो बैंक का फर्जी लिंक भेजकर लोगों को झांसे में लेकर ठगी करने का काम किया करते थे। इसके अलावा अन्य हथकंडों को अपनाकर साइबर अपराधियों के द्वारा लोगों से ठगी की जाती थी। पुलिस ने जिन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है उनमें देवघर जिला के मधुपुर थाना क्षेत्र के दारबे गांव के मो। जमीर अंसारी, इसी जिले के मारगोमुंडा थाना क्षेत्र के डुमरिया के बॉबी गुप्ता और गिरिडीह जिले के गांडेय थाना क्षेत्र के रकसकुटो निवासी उदय मंडल शामिल हैं। इन तीनों के पास से पुलिस ने 6 मोबाइल, 6 सिमकार्ड एवं दो बाइक जब्त किए हैं। गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से जानकारी मिली थी कि साइबर अपराधी जिले के सरिया एवं गांडेय क्षेत्र में छिपकर लोगों से ठगी कर रहे हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इसके बाद पुलिस टीम के द्वारा छापेमारी कर दोनों इलाके से अपराधियों को दबोचा लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस को बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों के द्वारा मोबाइल वाट्सएप पर एसबीआई योनो लाइट एप का लिंक भेजकर एयरटेल पेमेंट बैंक के माध्यम से पैसे दिलाने के नाम पर ठगी किया करते थे। इतना ही नहीं साइबर अपराधी खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताकर बिजली बिल पेमेंट करने, बैंक अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने आदि हथकंडों को अपनाकर लोगों से ठगी करने का काम करते थे। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी गिरफ्तारी में जुटी हुई है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शहीद संकल्प शुक्ला पार्क में मां की तस्वीर के साथ किया पौधरोपण

रांची, सूत्रकार

रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत रविवार को मोरहाबादी स्थित शहीद संकल्प शुक्ला पार्क में अपनी मां की तस्वीर के साथ वृक्षारोपण किया। मौके पर संजय सेठ ने कहा कि यह धरती हमारी मां है। इसे सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। आज देश भर में एक पेड़ अपनी मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधे लगाये जा रहे हैं। सेठ ने कहा कि आज विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं। कंक्रीट का जाल बिछ रहा है। इसका दुष्परिणाम हम सबों के सामने हैं। इसे बचाने के लिए हम सबों को जल, जंगल, जमीन को सुरक्षित करने की जरूरत है। हमें अपनी मां के नाम से एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। जिस तरह हम अपने बच्चों की देखभाल करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें वृक्षों की भी देखभाल करनी होगी। मौके पर पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, हेमंत दास, प्रेम मित्तल, रमेश सिंह, ललित ओझा, संजय जयसवाल, मुनचुन राय, कृष्ण कुमार दयाल, रंजीत चौरसिया, सरदार गोविंद सिंह, प्रकाश नारायण, हरि नारायण गुप्ता, नीरज पासवान, राजेश सिन्हा, रामेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

इस क्लब पर समाज को नाज है : संजय सेठ

रांची, सूत्रकार

मैं जब भी रांची प्रेस क्लब में आता हूं , लगता है कि अपने परिवार में आया हूं, पूरे देश में ऐसा प्रेस क्लब दूसरा नहीं है। इस क्लब पर समाज को नाज है, उक्त बातें रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने कही। वह रविवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में भाग ले रहे थे। वे द रांची प्रेस क्लब के एसोसिएट मेंबर भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। श्री सेठ ने कहा कि जीवन में पैसे से, पद से कुछ हासिल नहीं कर सकते, अपने व्यवहार से ही हम सब कुछ हासिल कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार रांची प्रेस क्लब पहुंचे मंत्री का स्वागत क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन व सचिव अमरकांत ने शॉल ओढ़ाकर किया। उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि, सह सचिव रतन लाल व कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, आलोक कुमार सिन्हा, अंजनी कुमार, आरजे अरविंद, संजय सुमन, सौरभ शुक्ला, चंदन भट्टाचार्य, मोनू कुमार ने पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन मैनेजिंग कमेटी सदस्य आरजे अरविंद ने किया।

सरना झंडा का उपयोग राजनीति में हुआ तो होगा सामाजिक बहिष्कार

रांची, सूत्रकार

सरना सदान मूलवासी मंच के अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने कहा कि आज सरना झंडा और प्रतीक चिन्हों को बचाने की जरूरत है। यह बात रविवार को करमटोली केंद्रीय धुमकुड़िया भवन में आदिवासी सरना धर्म संरक्षण समिति के तत्वावधान में विभिन्न आदिवासी संगठनों की बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरना झंडा का दुरुपयोग हो रहा है। प्रत्येक राजनीतिक कार्यक्रमों में सरना झंडा लहराया जा रहा है। कलशा और रंपा-चंपा जैसे धार्मिक प्रतीक चिह्न का दुरुपयोग हो रहा है। नेताओं और अधिकारियों के स्वागत सम्मान में आदिवासी महिलाओं को नचाना गलत है। बुद्धिजीवि लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि आदिवासी प्रकृति पूजक हैं। आदिवासियों पर सामाजिक और राजनिति रूप से हमला किया जा रहा है। इसे पहचानने की जरूरत है। आज समाज चौतरफा संकटों से घिरा हुआ है। जल,जंगल और जमीन, सम्मान पर चोट सदियों से जारी है। हमारी प्रकृति में आस्था, विश्वास, पहचान और धर्म सब पर चोट किया जा रहा है।1871 से 1951 तक जनगणना प्रपत्र में आदिवासियों का अलग धर्म कोड था। इसे 1961 में हटा दिया गया। कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा ने कहा कि एशिया महाद्वीप में आदिवासियों का संख्या सबसे अधिक है। भारत में इनकी संख्या दूसरे नम्बर पर है। इसके बाद भी आदिवासियों को अलग धर्मकॉलम नहीं दिया जा रहा है। लेकिन आज नेताओं के कार्यक्रम में सरना झंडा का उपयोग हो रहा है। जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रांची के तिलता चौक के पास खराब सड़क के कारण दुर्घटनाएं होने का खतरा

रांची, सूत्रकार

शहर के तिलता चौक के पास सड़क की खराब स्थिति ने स्थानीय निवासियों और राहगीरों की समस्या बढ़ा दी है। खराब सड़क के कारण यहां गाड़ी पलटने की संभावना भी बढ़ गयी है, जिससे लोग काफी चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। बारिश के बाद स्थिति और भी बिगड़ गयी है। इस सड़क पर से आने जानेवाले वाहन चालकों को कठिनाई होती है। दुर्घटना की संभावना बढ़ गयी है। जान लें कि यह सड़क काफी व्यस्त रहती है। यहां से रोजाना सैकड़ों गाड़ियां गुजरती हैं। गड्ढों के कारण गाड़ियां पलटने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

पुलिस ने चोर गिरोह के एक नाबालिग सहित छह सदस्यों किया गिरफ्तार

रांची, सूत्रकार

चोरी के 79 मोबाइल बरामद

झारखंड की राजधानी रांची सहित अलग-अलग शहरों से चोरी किए गए मोबाइल अब बांग्लादेश के बाजारों में बिक रहे हैं। जिस गिरोह के सदस्य मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं उनके लिए मोबाइल का आईएमईआई नंबर भी मायने नहीं रखता है। गिरोह के सदस्य इतने शातिर हैं कि चोरी के मोबाइल के आईएमईआई नंबर को भी बदल देते हैं। चार दिन पूर्व रांची के रातू के इलाके से पुलिस ने साहिबगंज के कुख्यात तीनपहाड़ चोर गिरोह के एक नाबालिग सहित छह सदस्यों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार चोरों के पास से चोरी के 79 मोबाइल बरामद किए गए थे। गिरफ्तार चोरों ने पूछताछ में यह खुलासा किया था कि उनके द्वारा चोरी किए गए सभी मोबाइल बांग्लादेश भेज दिए जाते हैं । मोबाइल को बांग्लादेश भेजने के लिए साहिबगंज में बैठा उनका सरगना सारी व्यवस्था करता है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ है कि चोरी के मोबाइल बांग्लादेश में बेच दिए जाते हैं। जहां उसकी नई पैकेजिंग कर उसे बाजार में खपा दिया जाता है। इस मामले में रांची पुलिस साहिबगंज पुलिस के संपर्क में है, ताकि तीनपहाड़ में बैठा मोबाइल चोर गिरोह के सरगना को पकड़ा जा सके। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार मोबाइल चोरों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपियों के अनुसार वे लोग झारखंड के कई शहरों से मोबाइल चोरी कर उसे भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित फरक्का भेज देते थे। वहां गिरोह में शामिल कई बेहद टेक्निकल सदस्य एक्टिव हैं जो चोरी कर भेजे गए मोबाइल का ईएमआई नंबर और ऊपर का कवर बदलकर उसे बिल्कुल नया रूप दे देते हैं। मोबाइल को फॉर्मेट कर उसे फिर से नए डब्बे में पैक कर दिया जाता है। नई पैकिंग के बाद सभी मोबाइल बांग्लादेश भेज दिया जाता है। बांग्लादेश की दुकानों में चोरी के मोबाइल की खुलेआम बिक्री होती है। भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर पर पश्चिम बंगाल में फरक्का स्थित है, जहां पर मोबाइल चोरों का एक छोटा सा कारखाना है। झारखंड के अलग अलग शहरों से चोरी के मोबाइल एजेंटों के माध्यम से फरक्का पहुंचाया जाता है और उसके बाद कारखाने में उसे नया रूप दिया जाता है। तीनपहाड़ गिरोह के सदस्य राजधानी रांची सहित दूसरे शहरों में घूम-घूम कर मोबाइल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। जब एक साथ 100 से अधिक मोबाइल जमा हो जाते हैं, तब उसे फरक्का से आए एजेंट के हवाले कर दिया जाता है। मोबाइल चोरी करने वाले चोरों को 10 हजार के मोबाइल का तीन हजार रुपये, 20 हजार के मोबाइल का सात हजार रुपये मिलते थे।वहीं अगर 50,000 से ज्यादा के मोबाइल चोरी करने पर उन्हें उसके एवज में गिफ्ट भी मिलता है। साथ ही 20 हजार रुपये भी मिलते थे। तीनपहाड़ गिरोह में छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाएं और बच्चे मॉल में खरीदारी करने वाले लोगों के आसपास घूम कर उनके पर्स और पॉकेट से मोबाइल गायब कर तुरंत उसे बाहर खड़े पुरुष सदस्यों को दे देते हैं। इस दौरान अगर किसी बच्चे को शक के आधार पर पकड़ा भी जाता था तब भी उनके पास से मोबाइल बरामद नहीं हो पाता है। साहिबगंज के तीन पहाड़ क्षेत्र से चोरों का एक बड़ा गिरोह झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मोबाइल चोरी का काम करता है। ये लोग एक साथ चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए नहीं निकलते हैं, बल्कि अलग-अलग शहरों में 3 से 4 लोग जाते हैं। जब बहुत ज्यादा चोरियां इनके द्वारा अंजाम दे दी जाती है तब ये शहर बदल लेते हैं। रांची से गिरफ्तार सभी छह अपराधी साहिबगंज के तीनपहाड़ क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। गिरोह के सदस्य अलग-अलग समय में रांची में अलग अलग मोहल्लों में किराए का मकान ले कर रहते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि उन्हें यह याद भी नहीं है कि उन्होंने अब तक कितनी मोबाइल चोरी की है, लेकिन दो हजार से ज्यादा मोबाइल अब तक वे बांग्लादेश भेज चुके हैं।

कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका, इस्तीफा मांगा

रांची, सूत्रकार

कांग्रेस ने रविवार को नीट-यूजी-2024 परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ अल्बर्ट एक्का चौक, रांची में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का आयोजन रांची जिला और महानगर कांग्रेस ने किया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुप्पी तोड़ें। अविलंब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की की गयी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी डायरेक्टर को हटाकर एनडीए सरकार मामले को लीपापोती करने में लगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए देश में पिछले पांच सालों में 43 भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक हुए है। भारत जैसे युवा देश में केन्द्र की एनडीए सरकार युवाओं के भविष्य को अधंकारमय बनाने पर तुली हुई है। करोड़ों होनहार मेहनतकश छात्रों के साथ खिलवाड करना घोर नाइंसाफी है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक का सबसे बड़ा कारण यह है कि भाजपा ने पूरे सिस्टम को अपनी गिरफ्त में कर रखा है। इसलिए इसके तार भाजपा शासित राज्यों से जुडे हुए हैं। जब तक सिस्टम दुरुस्त नहीं होगा पेपर लीक चलता रहेगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगी। पेपर लीक मामले में देश के शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान को जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अविलंब इस्तीफा देना चाहिए और नीट की परीक्षा रद्द करनी चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा करते रहते हैं, पर पेपर लीक पर कुछ नहीं बोलते हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश किरण महतो, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने किया। इस मौके पर अमूल्य नीरज खलखो, अमरेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह, सोनाल शांति, बेलस तिर्की, शहबाज खान, जितेन्द्र त्रिवेदी, गौरव सिंह, विक्की ठाकुर, सदाब खान, साकेत कुमार, मोहित राज, विपुल सिंह, सोनू तुषार, समीर, रोहित पांडे, अमन, अब्दुल रहमान, अजय सिंह आदि मौजूद थे।

आम महोत्सव में किसान कर रहे हैं लाखों की कमाई

अब तक 100 क्विंटल आम की हुई बिक्री

रांची, सूत्रकार

गर्मी का मौसम आते ही आम की बिक्री शुरू हो जाती है। फलों का राजा होने की वजह से लोग आम फल को खूब पसंद करते हैं। जून-जुलाई के महीने में सबसे ज्यादा बिकने वाला फल भी आम ही होता है। पहले झारखंड में आम बाहरी राज्यों से आते थे और लोग यहां के बाजार से खरीदकर उनका आनंद लेते थे। लेकिन धीरे-धीरे अब झारखंड में भी आम की बागवानी बृहद स्तर पर होने लगी है, जिसमें कई संस्थाओं का भरपूर सहयोग मिलता है। किसानों को आम की बागवानी करने के लिए नाबार्ड संस्था के द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर राजधानी के शहीद चौक स्थित आम महोत्सव का आयोजन किया गया। शहीद चौक स्थित झारखंड राज्य सहकारी बैंक परिसर में आम महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें कई तरह के आम की बिक्री हो रही है। महोत्सव के स्टॉल में लगे आम्रपाली, मलिका, हिमसागर, मालदा और दशहरी आम को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। आम खरीदने पहुंचे ग्राहकों ने कहा कि आम महोत्सव में मिलने वाले आम बिना कार्बाइड के पकाए गए हैं। इससे बाजार में मिलने वाले आम की तुलना में यह आम सेहत के लिए काफी लाभदायक है। नाबार्ड के कर्मचारी शाहबाज आलम बताते हैं कि नाबार्ड की तरफ से आयोजित की गई यह आम महोत्सव से किसानों को सीधा लाभ पहुंच रहा है। किसानों को एक बेहतर मार्केट मिले, इसके लिए नाबार्ड हर साल इस तरह के महोत्सव का आयोजन करते आई है। वहीं, महोत्सव में अपना स्टॉल लगाने आए विनय सिंह बताते हैं कि आम महोत्सव में उनका कारोबार दोगुना से तीन गुना तक हो रहा है। यहां स्टॉल लगाने से उन्हें बिचौलियों से छुटकारा मिल गया है। एक समय था जब पूरे बागान के आम पर उन्हें मुश्किल से तीस से पैंतीस हजार रुपए की आमदनी होती थी, लेकिन स्टॉल लगाने से अब उनकी आमदनी एक लाख से डेढ़ लाख रुपए हो गई है। तीन दिवसीय आम महोत्सव में ग्राहक ज्यादा से ज्यादा आम खरीद रहे हैं। पिछले दो दिनों में विभिन्न जिलों से आए व्यापारियों ने करीब 100 क्विंटल आम की बिक्री की है। गौरतलब है कि झारखंड के किसानों को बेहतर बाजार देने के लिए नाबार्ड का यह प्रयास सराहनीय है। नाबार्ड के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को जाना और उन्हें हर वर्ष बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। झारखंड राज्य सहकारी बैंक की प्रदेश अध्यक्ष विभा सिंह ने भी किसानों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नाबार्ड की तरफ से और भी बेहतर योजनाओं को लाने की बात कही है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एटीएम में अचानक बजने लगा सायरन

मशीन के कार्ड स्ट्रिप को बदलने की कोशिश की गई

रांची, सूत्रकार

राजधानी रांची के किशोरगंज रोड पर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एटीएम रूम की सायरन अचानक बजने लगी। इसके कुछ देर के बाद ही मौके पर पुलिस पहुंची और जांच करने लगी।

जांच के दौरान पाया गया कि मशीन के कार्ड स्ट्रिप को बदलने की कोशिश की गई थी, जिसके कारण सायरन बजने लगा था। हालांकि जब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। एटीएम से ठगी करने वाले साइबर अपराधी एक बार फिर से राजधानी में सक्रिय हो गए हैं। रविवार को रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एटीएम से छेड़छाड़ कर कुछ लोगों ने कार्ड स्ट्रिप को ही बदलने की कोशिश की, लेकिन एन मौके पर बैंक का सायरन बज गया। सायरन बजने के बाद बैंक के मैनेजर ने तुरंत सुखदेव नगर पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस की टीम भी तुरंत एटीएम तक पहुंची, हालांकि तब तक वहां से स्ट्रिप बदलने वाला गायब हो चुका था। अगर सायरन नहीं बजता तो जो भी एटीएम से पैसे निकालने आता उसके पैसे एटीएम में फंस जाते और वो पैसे गायब कर दिए जाते। बैंक कर्मियों ने बताया कि एक महीने के भीतर यह दूसरी बार है जब एटीएम से छेड़छाड़ करने की कोशिश की गई है, चुकी बैंक भी एटीएम से सटा हुआ है इसलिए सायरन बज जाता है। मौके पर पहुची सुखदेव नगर पुलिस के अफसरों ने बताया कि सायरन बजने की सूचना पर पुलिस की टीम पहुंची थी, जांच में किसी तरह की निकासी किए जाने का मामला सामने नहीं आया है। एटीएम का सीसीटीवी फुटेज चेक किया जा रहा है, ताकि आरोपी की पहचान की जा सके।

दुष्कर्म की शिकार हुई 12 वर्षीय बच्ची की स्थिति में हो रहा सुधार

मां ने सरकार से मदद और सुरक्षा की लगाई गुहार

रांची, सूत्रकार

ओरमांझी थाना इलाके में एक दिव्यांग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म की घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। 12 वर्षीय बच्ची को दरिंदों ने कार में बैठाकर घंटे तक दुष्कर्म किया और फिर अधमरे स्थिति में सड़क किनारे फेंक दिया। जब आम लोगों की नजर बच्ची पर पड़ी तो लोगों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया। रिम्स में करीब तीन दिनों तक इलाज चलने के बाद बच्ची का सर्जरी की गयी। रिम्स के वरिष्ठ पेडियाट्रिक सर्जन डॉक्टर अभिषेक कुमार की निगरानी में बच्ची का जटिल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन होने के बाद रिम्स के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया कि बच्ची के प्राइवेट पार्ट्स से लगातार ब्लीडिंग हो रही थी, जिसे वरिष्ठ पेडियाट्रिक सर्जन अभिषेक कुमार के द्वारा सर्जरी कर ब्लीडिंग को रोका गया। तब जाकर धीरे-धीरे बच्ची की स्थिति में सुधार हो रही है। वहीं, अस्पताल में बच्ची की देखरेख कर रही बच्ची की मां ने बताया कि उसे दो बेटी और दो बेटा है। बड़ी बेटी के साथ अपराधियों ने कुकर्म कर उसके पूरे परिवार को झकझोर दिया है। ईटीवी भारत से बात करते हुए पीड़िता की मां ने बताया कि जिन अपराधियों ने उसके बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है उसे पुलिस कड़ी से कड़ी सजा दे। ताकि फिर कोई छोटी बच्ची उन दरिंदों के हाथ न लग सके। पीड़िता की मां ने सरकार से मुआवजे और सुरक्षा की मांग की है। पीड़िता की मां ने कहा कि वह एक गरीब महिला है और उसके पति का भी देहांत हो गया है। पिछले सात वर्षों से वह अकेले ही अपने चारों बच्चों का पालन पोषण कर रही है। सुबह से लेकर शाम तक मजदूरी करती है तब जाकर देर रात खाना बन पाता है। मजदूरी करने की वजह से दिनभर वह घर में नहीं रह पाती और उसके बच्चे अकेले ही रहते है। इसी का फायदा उठाते हुए दरिंदों ने उसकी बच्ची को सड़क से उठा लिया और दुष्कर्म कर आज उसे इस हालत में छोड़ दिया। वहीं, रिम्स में डालसा की कर्मचारी अनिता देवी की तरफ से बच्ची के परिवार को मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बच्ची का अच्छे से इलाज और उसका भोजन हो सके। बता दें कि बुधवार को बच्ची अधमरी स्थिति में सड़क किनारे पाई गई थी, इसके बाद पुलिस ने बच्ची को रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। लेकिन अभी तक घटना को अंजाम देने वाले सभी अपराधी फरार हैं। रांची पुलिस जांच में जुटी हुई है अब देखने वाली बात होगी कि कब तक अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ पाते हैं।

शेयर बाजार और स्टॉक मार्केट को लेकर रांची में कार्यक्रम का आयोजन

रांची, सूत्रकार

शेयर बाजार और स्टॉक मार्केट में निवेश के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कमेटी की ओर से समृद्धि नामक रांची में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मार्केट गुरु के नाम से मशहूर अनिल कुमार सिंघवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कैपिटल गुरु अनिल कुमार सिंघवी को सुनने के लिए राज्य भर से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोग कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम के संयोजक रंजीत कुमार गगोड़िया ने बताया कि राज्य के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की जानकारी बढ़ाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ग्रुप की ओर से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में शेयर बाजार में आए बदलावों के बारे में भी जानकारी बढ़ाई जाती है। उन्होंने बताया कि इसी के तहत इस बार द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (क्ळअक) की कैपिटल मार्केट और फाइनेंशियल मार्केट कमेटी की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें बताया जा रहा है कि कैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने ग्राहकों को अधिक से अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कार्यक्रम में आए दर्शकों को पूंजी बाजार के बारे में विशेष जानकारी देने के लिए कैपिटल गुरु के नाम से मशहूर अनिल सिंघवी ने लोगों को संबोधित किया और बताया कि किस तरह से ज्यादा से ज्यादा निवेश करके लाभ कमाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद अनिल कुमार सिंघवी ने कहा कि अमृत काल में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। अगले 20 से 25 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था काफी तेजी से बढ़ने वाली है। इसलिए वह चाहते हैं कि देश के बड़े से बड़े और छोटे से छोटे निवेशक निवेश करें। अनिल सिंघवी ने कहा कि जिस तरह से भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, अर्थव्यवस्था के जानकार लोग चाहते हैं कि लोग किसी अच्छे चार्टर्ड अकाउंटेंट से सलाह लेकर बाजार को समझें और अपने पैसे को अच्छे म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार में निवेश करें। साथ ही उन्होंने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में लोग शॉर्टकट अपनाना चाहते हैं, लेकिन जरूरी है कि लोग शेयर बाजार की बारीकियों को समझें, तभी वह शेयर बाजार से लाभ उठा पाएंगे। मार्केट गुरु अनिल कुमार सिंघवी को सुनने आए चार्टर्ड अकाउंटेंट कुणाल का कहना है कि आज के सेमिनार में विशेषज्ञों की बातें सुनने के बाद यह बात स्पष्ट हो गई कि जब भी शेयर बाजार में निवेश करें तो लंबे समय के लिए करें, तभी अच्छा रिटर्न मिल सकता है। कम अवधि के निवेश पर ज्यादा फोकस न करें, इसे साइड बिजनेस की तरह देखें। चार्टर्ड अकाउंटेंट कुणाल कुमार ने कहा कि बिहार झारखंड में ज्यादातर लोग कम समय के लिए निवेश करते हैं और ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं, लेकिन आज के सेमिनार में आए विशेषज्ञों की बातें सुनने के बाद लोग लंबे समय के लिए निवेश करने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में आए सभी निवेशकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शेयर बाजार में रुचि रखने वाले लोगों का ज्ञान तो बढ़ता ही है, साथ ही निवेश के प्रति लोग जागरूक भी होते हैं। वही कैपिटल गुरु के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए कई युवा व्यवसायी सेल्फी लेते नजर आए।

न्यूज फ्लैश

देव स्नान पूर्णिमा पर साहिबगंज में भगवान जगन्नाथ की शोभा यात्रा निकाली गई

साहिबगंज, सूत्रकार

देव स्नान पूर्णिमा पर साहिबगंज में भगवान जगन्नाथ की शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा अमख पंचायत भवन से निकलकर महाजन पट्टी और पटेल चौक होते हुए ओझा टोली गंगा घाट पहुंची। पुरी के तर्ज पर इस्कॉन संस्था की ओर से शोभा यात्रा निकाली गई थी। रथ पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ सवार थे। रथ को भक्तों ने रस्सी से खींच कर गंगा घाट तक पहुंचाया।

गुमला में ब्राउन शुगर के साथ एक कुख्यात सरगना गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुमला, सूत्रकार

गुमला पुलिस मादक पदार्थ एवं नशा उन्मूलन अभियान के तहत गुमला थाना क्षेत्र के करमटोली स्थित जिला हाई स्कूल मैदान से ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त करने वाले कुख्यात सरगना मनु गोप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के पास से 5.25 ग्राम ब्राउन शुगर और 1040 रुपये भी बरामद किए गए। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि गिरफ्तार मनु गोप पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है। इस अभियान में कई अन्य नाम भी सामने आए हैं, जिन्हें पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

गोड्डा में पहली बारिश ने खोली नगर परिषद की पोल जल जमाव और सड़कों बह रहे पानी से लोग परेशान

गोड्डा, सूत्रकार

गोड्डा में झमाझम बारिश हुई। लोगों को गर्मी से राहत तो मिली लेकिन नगर परिषद की पोल खुल गई। बारिश की वजह से गली-मोहल्ले में जल जमाव हो रहा है। वहीं नाले जाम होने के कारण पानी सड़को पर पानी बह रहा है। शहर के सबसे भीड़-भाड़ वाले इलाके हटिया चौक की हालत काफी खराब है। निवर्तमान वार्ड पार्षद प्रीतम गाड़िया ने कहा कि नगर क्षेत्र की हालत बद से बदतर हो गई है। अगर समय से नगर परिषद ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो लोगों की मुश्किल और बढ़ने वाली है।

हजारीबाग में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस सम्मेलन 7 जुलाई को

हजारीबाग, सूत्रकार

कोयला खदान के कारण मजदूरों और रैयतों को हो रही परेशानी को देखते हुए इस बार राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का सम्मेलन 7 जुलाई को हजारीबाग में आयोजित की जा रही है। प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने कहा कि हजारीबाग, बड़कागांव, केरेडारी के रैयत विस्थापितों की समस्याओं को समझेंगे। कोयला खनन कंपनी द्वारा जारी खनन और श्रम कानून के उल्लंघन का भी जायजा लेंगे। वहीं, मजदूर, रैयत, ठेका मजदूर, दैनिक भोगी मजदूर, सरकारी मजदूर, गैर सरकारी कर्मचारी की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उनकी समस्या को लेकर एक जन आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी, जो राज्य स्तरीय आंदोलन होगा।

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

लातेहार, सूत्रकार

पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोर गिरोह के सभी 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार सभी अपराधी रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज और खलारी के रहने वाले हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने पांच मोटर साइकिल भी बरामद की है। दरअसल, लातेहार एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी गिरोह बनाकर लातेहार जिले के बालूमाथ और आसपास के इलाकों में मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इस सूचना के बाद एसपी ने पुलिस टीम गठित कर मोटरसाइकिल चोर गिरोह के अपराधियों के खिलाफ छापेमारी शुरू कर दी। इसी बीच एसपी को सूचना मिली कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के सेरेगड़ा गांव के पास कुछ अपराधी चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की फिराक में हैं। इस सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम तुरंत चिन्हित स्थान पर पहुंची। पुलिस ने वहां से कुछ लोगों को संदिग्ध हालत में देखा और उन्हें हिरासत में ले लिया। पहले तो अपराधियों ने पुलिस को कुछ भी बताने से इनकार कर दिया, लेकिन जब पुलिस ने थोड़ी सख्ती दिखाई तो अपराधियों ने सारे राज उगल दिए। गिरफ्तार आरोपियों की दी गई जानकारी पर पुलिस ने गिरोह में शामिल सभी 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की पांच मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस इंस्पेक्टर परमानंद बिरुआ ने बताया कि गिरफ्तार सभी अपराधी रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज और खलारी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। गिरफ्तार अपराधियों में जोशीले केसरी और लाल मुंडा खलारी के रहने वाले हैं। वहीं मुकेश दास, जागेश्वर उरांव, सचिन गिरी और रोशन कुमार गंझू मैक्लुस्कीगंज के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने गिरोह बनाकर बालूमाथ थाना क्षेत्र के आसपास के इलाकों में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। अपराधियों के खिलाफ छापेमारी में थाना प्रभारी विक्रांत उपाध्याय और अन्य पुलिस पदाधिकारियों की भूमिका अहम रही।

टांगी से वार कर पति ने की पत्नी की हत्या

गुमला, सूत्रकार

जिले के घाघरा प्रखंड के खम्भा गांव में सम्पति देवी नामक महिला की टांगी से मारकर हत्या कर दी गई। वहीं मृतका का पति ललितेश उरांव घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर थाने ले आई। घायल का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा में कराया गया। इस संबंध में मृतका के पिता पुनई उरांव ने रविवार को बताया कि उनकी बेटी सम्पति देवी और उनका पोता रामचंद्र उरांव शनिवार की रात 9:00 बजे बाड़ी के पास तार बाड़ देखने गए थे। इसी क्रम में उनके दामाद ललितेश उरांव ने उनकी बेटी की पिटाई शुरू कर दी। दामाद के साथ आए अन्य लोगों ने भी उनकी बेटी की पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान उनकी बेटी के सिर पर टांगी से वार कर दिया गया। जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी को मारने के बाद भी सभी वहीं खड़े रहे। वे डर से वहां नहीं गए। उन्होंने अपनी पत्नी को मौके पर भेजा। जहां उसके साथ भी मारपीट की गई। आत्मरक्षा में उनकी पत्नी ने दामाद पर रॉड से वार किया। जिसमें उनका दामाद घायल हो गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दामाद ललितेश ने अपनी सास पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी सास ने उसपर रॉड से हमला किया। जिसके कारण वह घायल हो गया। इसी के कारण उसके हाथ से उसकी पत्नी को टांगी लग गई और उसकी मौत हो गई। मृतका के पुत्र रामचंद्र उरांव ने बताया कि मैं और मेरी मां बाड़ी में तार से किए गए बाड़ को देखने गए थे। इसी क्रम में मेरे पिता ललितेश उरांव पहुंचे। उनके साथ अन्य लोग भी थे। बिना कुछ कहे ही उन्होंने मेरी मां की पिटाई शुरू कर दी और टांगी से मारकर मां की हत्या कर दी। पुनई उरांव ने यह भी बताया कि उनके दामाद और बेटी 5 वर्षों से अलग रह रहे थे। मेरी बेटी अपने बेटे और बेटी के साथ मेरे ही घर में रहती थी। पिछले वर्ष मेरी बेटी ने भरण-पोषण खर्च को लेकर न्यायालय में केस किया था। इसी कारण यह हत्या की गई है। घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि हत्या की सूचना मिलने पर देर रात पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का शव बरामद कर थाना ले आई। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

वाइल्ड लाइफ के रेस्क्यू और बचाव के लिए नई पहल

झारखंड के सभी इलाकों में वन कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

पलामू, सूत्रकार

झारखंड के कई इलाकों में वाइल्ड लाइफ का रेस्क्यू एक बड़ी चुनौती है। कई इलाकों में हाथी और मनुष्य के संघर्ष में मौत हो रही है। वहीं तेंदुआ जैसे जीव जंगल से निकल कर रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे हैं। डेढ़ वर्ष पहले गढ़वा के इलाके में तेंदुआ ने तीन मासूमों की जान ली थी। वहीं खूंटी, गुमला, लोहरदगा समेत इलाकों में हाथी के साथ संघर्ष में लोगों की जान गई है। जमशेदपुर के रिहायशी इलाके में कुछ दिनों पहले एक तेंदुआ घुस गया था। तेंदुआ के रेस्क्यू में वन विभाग के पसीने में छूट गए थे। इन घटनाओं को देखते हुए वन विभाग ने झारखंड के सभी इलाकों में वाइल्ड लाइफ के रेस्क्यू और बचाव के ट्रेनिंग दी जाएगी। पलामू टाइगर रिजर्व के एक्सपर्ट राज्य के सभी इलाकों में वन कर्मियों को ट्रेनिंग देंगे। पलामू टाइगर रिजर्व झारखंड के विभिन्न इलाकों में

वन कर्मियों को ट्रेनिंग देने की योजना तैयार की है। उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना का कहना है कि पीटीआर राज्य के सभी इलाकों में ट्रेनिंग दी जानी है। प्रजेशकांत जेना ने बताया कि इस दौरान वन्य जीवों के बचाव के साथ साथ उनके रेस्क्यू के तरीके के बारे में जानकारी दी जाएगी। झारखंड के कई इलाके में वन्य जीवों का दायरा बढ़ता जा रहा है, जिस कारण विभाग ने यह निर्णय लिया है। अगले कुछ महीनों में झारखंड के सभी इलाकों में वन कर्मियों को वन्यजीवों के रेस्क्यू और उनके बचाव को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी।

लोहरदगा में हाथियों के हमले से बचने के लिए कुएं में गिरा युवक, मौत

लोहरदगा, सूत्रकार

जिले के कैरो थाना क्षेत्र के एड़ादोन गांव के समीप हाथियों के हमले से बचने के लिए भागने के क्रम में एक युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई है। मृत युवक की पहचान कुडू थाना क्षेत्र के तान गांव निवासी दिवंगत राजकुमार उरांव के पुत्र उमेश उरांव (18) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार इन दिनों हाथियों का झुंड लोहरदगा के ग्रामीण इलाके में विचरण कर रहा है। इसी क्रम में शनिवार की रात कैरो थाना क्षेत्र के एड़ादोन गांव के समीप हाथियों का झुंड पहुंच गया था। वहीं सैकड़ों ग्रामीणों के साथ युवक उमेश उरांव हाथियों को भगाने के लिए हाथियों के पीछे-पीछे दौड़ रहा था। ग्रामीण शोर मचाते हुए और हाथों में मशाल जलाकर हाथियों को भगाने की कोशिश कर रहे थे। इस क्रम ने

अचानक से हाथियों ने वापस मुड़कर ग्रामीणों पर हमला कर दिया। जिसके बाद ग्रामीण इधर-उधर भागने लगे। इसी क्रम में उमेश भी जान बचाकर भाग रहा था।

इसी क्रम में वह एड़ादोन स्थित खेत के कुएं में गिर गया। कुएं में गिरने के दौरान उसके सिर में चोट लग गई थी। जिससे वह बेहोश हो कर पानी में डूब गया। रात होने के कारण ग्रामीणों को पता नहीं चला। इस कारण युवक की कुएं के पानी में डूबने से मौत हो गई। रविवार को ग्रामीणों ने कुएं में शव को देखा। जिसके बाद ग्रामीणों ने कैरो थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद कैरो थाना के पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार मौके पर पहुंचे और मृत युवक के शव को कुएं से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। एसआई संजय कुमार ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच और आगे की कार्रवाई कर रही है। गौरतलब हो कि वन विभाग लगातार ग्रामीणों से अपील कर रहा है कि हाथियों को न छेड़ें और न ही उनके पीछे भागे। लेकिन ग्रामीण वन विभाग की चेतावनी की अनदेखी कर रहे हैं। इस कारण शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। वन विभाग के अनुसार शोर मचाने से हाथियों को और गुस्सा आ जाता है। ऐसे में हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है।

कोडरमा डबल मर्डर केस के सभी आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा, सूत्रकार

रांची के एक्स्ट्रीम बार की घटना की तरह कोडरमा में भी वारदात को अंजाम दिया गया है। शराब पीने को लेकर हुए विवाद में दो लोगों की हत्या कर दी गई। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने सभी आरोपियों को धर दबोचा। पूरी घटना कोडरमा के बागीतांड़ इलाके की है, जहां शराब पीने बिहार से पांच युवक एक होटल पहुंचे थे। उनलोगों ने वहां जमकर शराब पी। इस दौरान उनलोगों की होटल मालिक से किसी बात को लेकर बहस हो गई। जिसके बाद जमकर मारपीट हुई। मारपीट के बाद पैसे चुकाकर सभी युवक वहां से चले गए। जाते-जाते होटल मालिक को धमकी दी। बाद में युवक वापस लौटे और होटल पर गोलियां बरसाने लगे। जिसमें होटल मालिक और एक स्टाफ की गोली लगने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके

पर पहुंची। जब पुलिस ने होटल में लगा सीसीटीवी खंगाल तो घटना के पीछे की वजह सामने आई। दरअसल बिहार से शराब पीने के लिए पांच युवक सीमावर्ती इलाका कोडरमा के बागीतांड स्थित होटल पहुंचे। पांचों युवकों ने होटल में जमकर शराब पी। जिसके बाद होटल संचालक और शराब पी रहे युवकों के बीच पैसे के भुगतान को लेकर कहा-सुनी हुई। नोकझोंक के दौरान होटल संचालक और होटल के स्टाफ ने मिलकर शराब पी रहे युवकों की जमकर धुनाई कर दी। जिसके बाद युवकों ने होटल में पेमेंट किया और होटल संचालक को धमकी देकर वहां से चले गए। इधर घटना के दो घंटे के बाद एक बार फिर से पांचों युवक होटल पहुंचे और गोली चलाने लगे।

गोलीबारी में होटल संचालक और एक स्टाफ की मौत हो गई। होटल के दूसरे कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों की माने तो होटल के दूसरे स्टाफ अगर नहीं भागते तो उनकी भी जान जा सकती थी। इधर घटना के बाद गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका थर्रा गया और इलाके में सनसनी फैल गई। घटना को अंजाम देने के बाद पांचों युवक पहले से खड़ी कार में सवार हुए और भाग निकले, लेकिन हड़बड़ी में भागने के क्रम में 15 किलोमीटर आगे जाने पर कार डिवाइडर से टकरा गई। जिसके बाद युवकों ने कार को वहीं छोड़ दिया और जंगल के रास्ते भागने लगे। बताया जाता है कि इसी बीच युवकों ने भागने के लिए बिहार से दूसरी गाड़ी भी मंगवा ली थी, लेकिन पुलिस की दबिश ओर घाटी की घेराबंदी में पांचों युवक बिहार-झारखंड की सीमा पर दबोच लिए गए। एसपी अनुदीप सिंह ने अपराधियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले युवकों के कार को भी जब्त कर लिया है। एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि शराब को लेकर लाइन होटलों और कोडरमा के बॉर्डरिंग इलाके में भी स्पेशल ड्राइव चलाया जाएगा।

आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण

गोड्डा, सूत्रकार

गांधी मैदान में उन्नति का पहिया योजना के तहत आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। इस दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री व विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह योजना वर्ष 2005 में उनके द्वारा शुरू की गयी थी, जिसका उद्देश्य बच्चों को स्कूल पहुंचने में सुविधा प्रदान करना था। इस मौके पर जहां एक ओर बच्चों की खुशी देखते बन रही थी तो दूसरी ओर प्रदीप यादव, जिला प्रशासन, उपायुक्त जीशान कमर समेत कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा साइकिल सवारी का आंनद लेते दिखे।

गोपीनाथपुर गांव में शांति सद्भावना समिति की बैठक, एसडीपीओ ने लिया जायजा

पाकुड़, सूत्रकार

बकरीद त्योहार के मौके पर पाकुड़ सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर एवं इससे सटे पश्चिम बंगाल के कृष्णनगर के दो समुदायों के बीच हुए विवाद और झड़प के बाद गोपीनाथपुर गांव के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। यहां की स्थिति को देखते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने, विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर शांति सद्भावना समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मुफसिल थाने में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में हरिहरा, हरीगंज एवं गंधाईपुर के पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने मौजूद लोगों से वर्तमान परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली।

वहीं, लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और आपसी भाईचारा को बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस ने यह भी कहा कि लोग अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखें, अगर ऐसी कोई सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इसके अलावा बैठक में पश्चिम बंगाल के असामाजिक तत्वों की गतिविधियों सहित लोगों में व्याप्त भय को समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने, ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गोपीनाथपुर में पुलिस पिकेट के लिए जमीन की उपलब्धता आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौजूद लोगों ने शांति व्यवस्था बहाली को लेकर हर संभव प्रयास के साथ ही प्रशासन को सहयोग करने की बात कही गई। बता दें कि बीते 17 जून को बकरीद के मौके पर प्रतिबंधित मांस काटने को लेकर गोपीनाथपुर एवं पश्चिम बंगाल के कृष्णनगर के दो समुदायों के बीच विवाद होने के बाद आगजनी, तोड़फोड़ एवं मारपीट की घटना घटी थी। घटना के बाद से पुलिस लगातार गांव में कैंप कर रही है। इस बीच विवाद खत्म करने, लोगों के बीच सौहार्द कायम रखने, शांति व्यवस्था बहाल रखने के लिए आज शांति समिति की बैठक हुई।

जैन तीर्थस्थल मधुबन में मोरारी बापू ने नौ दिनों तक सुनायी राम कथा

कल्पना सोरेन ने लिया आध्यात्मिक संत से आशीर्वाद

गिरिडीह, सूत्रकार

जैन धर्म के विश्व प्रसिद्ध तीर्थंस्थल मधुबन में पिछले 9 दिनों से रामक था का आयोजन किया गया। यहां आध्यात्मिक संत मोरारी बापू ने राम कथा सुनाई। इस धार्मिक कार्यक्रम के अंतिम दिन भी राम कथा वाचक बापू ने अपने उदगार से लोगों को अभिभूत किया। अंतिम दिन की कथा सुनने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ सदर विधायक सुदिव्य कुमार भी मधुबन के मकर संक्रांति मेला मैदान पहुंचे। यहां मोरारी बापू के प्रवचन का लाभ लिया साथ ही साथ बापू से आशीर्वाद भी। अंतिम दिन कथा आरम्भ करने से पहले आध्यात्मिक संत मोरारी बापू ने

मधुबन की धरती पर बिताये 9 दिनों के अनुभव को शेयर किया। बताया कि इस निर्वाण भूमि में, तपस्या की भूमि पर कुछ विशेष रूप से चेतना बरस रही है। कहा कि इस 9 दिनों में वे झारखंड के लोगों से मिले, यहां यह महसूस हुआ कि यहां के लोग जैसे हैं वैसे ही पेश आ रहे हैं। यहां के लोगों को दंभ नहीं है। कहा कि प्रशासन ने, जैन संस्था के साथ अन्य संस्थाओं ने पूरा सहयोग दिया। यहां पत्रकारों से बात हुई तो पता चला कि सरकार इस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के लिए विकसित करना चाहती है। मेरा एक सूत्र है विकास विश्राम को खंडित नहीं करें इसका ध्यान रखना है। विकास होना चाहिये, लेकिन यह मधुबन की भूमि साधन भूमि है, तप भूमि है, उसका देवत्व बना रहना चाहिए। कथा के दौरान बापू ने धर्म और अधर्म की शिक्षा पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। यह भी कहा कि कौन श्रेष्ठ कौन निम्न है इस पर नहीं पड़ना है। यहां बता दें कि मुरारी बापू द्वारा प्रस्तुत किए गए रामकथा को सुनने के लिए गिरिडीह, धनबाद समेत कई जिलों के लोगों के अलावा दूसरे प्रदेश से भी उनके अनुयायी मधुबन पहुंचे। यहां बापू का आशीर्वाद लेने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी पहुंची तो कई नेता के अलावा अधिकारी भी पहुंचे।

संपादकीय

तानाशाहों की तिकड़ी, किम को मिले दो समर्थक

24 साल के अंतराल के बाद हुई रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की उत्तर कोरिया यात्रा ने न सिर्फ चौंकाया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय हलकों में चिंता भी बढ़ाई है। इस यात्रा से दोनों देशों की करीबी बढ़ने के स्पष्ट संकेत मिले ही हैं, लेकिन ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि इस करीबी से किस तरह के तात्कालिक और दूरगामी नतीजे सामने आ सकते हैं।

पुतिन की यह यात्रा अंतरराष्ट्रीय हलकों में बन रही इस धारणा को गलत साबित करने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है कि वह विश्व मंच पर अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। यात्रा ऐसे समय हुई है, जब कुछ ही दिन पहले इटली में ऋ7 देशों की शिखर बैठक हुई और उसके बाद स्विट्जरलैंड में यूक्रेन शांति सम्मेलन में 80 देशों ने साझा बयान के रूप में किए गए शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। हालांकि भारत अपने स्वतंत्र और संतुलित रुख को बरकरार रखते हुए उस प्रस्ताव से अलग रहा।

उत्तर कोरिया पहुंचने पर पूतिन का जैसा भावपूर्ण स्वागत हुआ और जिस तरह से किम जोंग उन खुद एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने के बाद उनके साथ एक ही गाड़ी में गेस्ट हाउस गए, उसे देखते हुए साफ है कि दोनों तरफ से आपसी करीबी को रेखांकित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी गई। यूक्रेन युद्ध जिस तरह से लंबा खिंचता दिख रहा है उसमें उत्तर कोरिया के सहयोग की रूस को सख्त जरूरत भी है। हालांकि दोनों पक्ष हथियारों के आदान-प्रदान की खबरों का खंडन करते हैं, लेकिन दोनों ने कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप समझौता किया है जिसमें पूतिन के ही मुताबिक किसी भी एक देश पर हमला होने की सूरत में द्विपक्षीय सहयोग का वादा है।

लंबे समय से विश्व मंच पर अलगाव झेल रहे उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग उन के लिए भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी सदस्य रूस की करीबी काफी मायने रखती है। अतीत में रूस नॉर्थ कोरिया के अवैध हथियार कार्यक्रम की संयुक्त राष्ट्र समर्थित जांच और उस पर लगे प्रतिबंधों का समर्थन कर चुका है। लेकिन यूक्रेन युद्ध से उपजी जरूरतों और पश्चिमी देशों से बढ़ती दूरी के मद्देनजर उसके रुख में बदलाव आया है। मार्च में नॉर्थ कोरिया द्वारा सुरक्षा परिषद प्रतिबंधों के उल्लंघन की स्वतंत्र जांच से जुड़े प्रस्ताव को रूस ने वीटो कर दिया।

ऐसे में रूस की ओर से मिलने वाली तकनीकी सहायता उत्तर कोरियाई तानाशाह के मंसूबों को कैसी दिशा देगी, यह सवाल सबके मन को मथ रहा है। ध्यान रहे, अब तक चीन उत्तर कोरिया के समर्थन में खड़ा नजर आने वाला एकमात्र प्रमुख देश रहा है। हालात की मजबूरियों में ही सही, पर तानाशाहों का जैसा गठजोड़ उभरता दिख रहा है, उस पर सतर्क नजर रखने की जरूरत है।

जल का जंजाल, पुराने समझौते में बदलाव हो

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के लोगों को पानी की कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है। इन हालात में दिल्ली ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से मानवता के आधार पर अधिक पानी देने की अपील की है। अगर हरियाणा के पास अधिक पानी है तो उसे दिल्ली की मदद जरूर करनी चाहिए।

दिल्ली जल संकट का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा हुआ है। हालांकि शीर्ष अदालत का यह कहना बिल्कुल सही है कि उसके पास पानी के बंटवारे का फॉम्युर्ला तय करने की विशेषज्ञता नहीं। वैसे भी अभी यह समय फॉम्युर्ला निकालने का नहीं है। अभी दिल्ली को पानी चाहिए, जल्द से जल्द।

पानी को लेकर हिमाचल, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और दिल्ली के बीच 1994 में एक टङ्कव साइन हुआ था। हालांकि इस बात को तीन दशक बीत चुके हैं और इस दौरान दिल्ली की आबादी, उसकी जरूरतें बहुत ज्यादा बढ़ चुकी हैं। इसलिए पुराने समझौते में बदले हुए हालात के मुताबिक बदलाव करना बेहतर होगा।

पानी की समस्या केवल दिल्ली की नहीं, देश के लगभग सभी बड़े शहर इससे जूझ रहे हैं। कुछ अरसा पहले बेंगलुरु से ऐसी खबरें आ रही थीं। मुंबई में भी इस साल इटउ को पानी में कटौती करनी पड़ी। यह साफ इशारा है कि हमारा जल प्रबंधन ठीक नहीं। अभी तक जो भी इंतजाम किए हैं हमने, वे कारगर नहीं हो पा रहे हैं। वक्त है कि उनकी फिर से समीक्षा की जाए।

हमारे शहर जिस संकट का सामना कर रहे हैं, वह केवल इस साल की कहानी नहीं है। जलवायु परिवर्तन का असर गहराने के साथ यह संकट भी बढ़ता जाएगा। इससे बचने के लिए प्रभावी और दूरगामी कदम उठाने होंगे। हमारी नदियों में पानी की गुणवत्ता और खराब होती जा रही है। तमाम नदियों का पानी तो अब जानवरों के पीने लायक भी नहीं बचा है। यही हाल तालाब, कुओं और दूसरे जलाशयों का भी है। कई जगह अतिक्रमण हो चुका है। इस पर सख्त एक्शन लेना होगा।

दिल्ली में जब संकट गहराया है तो टैंकर माफिया की बात चल निकली है। लेकिन, सोचने वाली बात है कि ये माफिया एकाएक तो इतने मजबूत हुए नहीं होंगे। इन पर पहले एक्शन क्यों नहीं हुआ? और इन्हें किनकी शह मिल रही है? इसी तरह वॉटर रीसाइक्लिंग और ग्राउंड वॉटर रिचार्ज पर कितना काम हो रहा, इसे भी चेक किया जाना चाहिए।

पानी जैसी बुनियादी जरूरत की किल्लत सबसे ज्यादा मार करती है गरीबों पर। अमीर तबका पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन टैंकर के पीछे दौड़ने और सार्वजनिक नलों पर धूप में लंबी लाइन लगाने वाली आम जनता कहां जाए? किसी भी पॉलिसी में इनका ध्यान रखना चाहिए। यह मसला अब राजनीति का नहीं रह गया है।

सरकार का साथ, कुवैत हादसे ने पीछे छोड़े कई सवाल

कुवैत के मंगाफ शहर की छहमंजिला इमारत में लगी आग से मृतकों की बड़ी संख्या तो परेशान कर ही रही है, जिन हालात में यह घटना हुई, उससे भी कई तरह के सवाल खड़े हुए हैं।

शुरूआती खबरों के मुताबिक, उस इमारत में 195 लोग रह रहे थे जो एक ही कंपनी के वर्कर थे। बताया जा रहा है कि ज्यादातर मौतें धुएं के कारण दम घुटने से हुई। इस मामले में आगे की जांच चल रही है, लेकिन कुवैत सरकार के मुताबिक पहली नजर में इस हादसे की वजह तय मानदंडों का उल्लंघन है। कुवैत के उप-प्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबह ने कहा कि कंपनी मालिकों के लालच के कारण यह घटना हुई।

इस घटना ने एक बार फिर काम के लिए विदेश जाने वाले भारतीयों की जीवनदशा का सवाल सामने कर दिया है। कुवैत में भी मानवाधिकार समूह यह मसला उठाते रहे हैं। कुवैत के लिए यह ज्यादा जरूरी मुद्दा इसलिए भी है कि इसकी आबादी का करीब दो तिहाई हिस्सा विदेश से आने वाले मजदूरों का है। यहां की इकॉनमी इन प्रवासी मजदूरों पर निर्भर है।

इस घटना के पीड़ितों में सबसे ज्यादा भारतीयों का होना कोई इत्तफाक नहीं है। यहां की कुल आबादी का 21% और कुल वर्कफोर्स का 30% हिस्सा भारतीय समुदाय ही है। भारतीयों के इतनी बड़ी संख्या में वहां जाने के पीछे एक बड़ा कारण है वहां होने वाली बचत। एक कुवैती दीनार की कीमत भारतीय मुद्रा में मौजूदा विनिमय दर के मुताबिक 272 रुपये से ज्यादा बैठती है। निम्न व मध्यम श्रेणी के कार्यों के लिए वहां औसत मासिक वेतन 1000 से 3000 कुवैती दीनार है, जो भारतीय मुद्रा में 75000 से 225000 रुपये हो जाता है।

अच्छी बात यह रही कि भारत सरकार ने इस मामले में तत्परता दिखाई। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए उच्चस्तरीय बैठक बुलाकर स्थिति की समीक्षा की बल्कि दोनों सरकारों के बीच भी पूरी तरह तालमेल दिखा। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह भी फौरन कुवैत रवाना हो गए ताकि घायलों के इलाज का जायजा ले सकें। सरकार के स्तर पर इस तरह की तत्परता विदेश में रह रहे भारतीयों के बीच यह भरोसा बनाए रखने में मदद करती है कि उनका देश संकट की घड़ी में हमेशा साथ खड़ा रहेगा।

लेकिन घटना के बाद की यह प्रतिक्रिया काफी नहीं है। वहां रह रहे भारतीयों की जीवनदशा ठीक रहे इस पर भी कुवैत सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि ऐसी घटनाओं की आशंका न रहे।

बाहरी बनाम उड़िया की जंग में खेत रहे नवीन

‘ इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव। लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। ’

उमेश चतुर्वेदी

साल 2000..संसद का बजट सत्र चल रहा था..मार्च के पहले हफ्ते का कोई दिन था..लोकसभा में मंत्रियों वाली सीट की ओर एक सांसद धीरे-धीरे बढ़ रहा था..उस शख्स को देख लोकसभा की प्रेस गैलरी में हलचल मच गई..इस हलचल पर नीचे बैठे कुछ सांसदों की निगाह पड़ी..उनकी भी निगाह उसी ओर चली गई, जिधर रिपोर्टर देख रहे थे..इस बीच तत्कालीन सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों की हथेलियां मेजों को थपथपाने लगीं..देखते ही देखते इस हथेली कोरस में समूचे सदन की हथेलियां जुड़ गईं..क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष, हर सांसद की थपेली जैसे एक लय में मेजों को थपथपाने लगीं थी..इस कोरस में शामिल नहीं था, तो संसद के कर्मचारी और अधिकारी, जिन्हें नियम-कानून इसकी अनुमति नहीं देते..सांसदों के इस अभूतपूर्व स्वागत से उस शख्सियत का अभिभूत होना स्वाभाविक था..इस औचक घटना के बाद वह व्यक्ति विनम्रता से और भर उठा..

वह शख्सियत थे वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया। राज्य के कद्दावर नेता रहे बीजू पटनायक के इकलौते इंजीनियर बेटे के तूफान में बंगाल की खाड़ी के किनारे की धरती से कांग्रेस उड़ गई। तब नया इतिहास रचा गया था। उस जीत के नायक का लोकसभा में सम्मान के लिए अगर उस कांग्रेस के सांसदों को भी मजबूर होना पड़ा था, उसकी वजह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि उस शख्स की सादगी और विनम्रता रही। यह विनम्रता विगत 13 जून को भी भुवनेश्वर में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी, जब भूतपूर्व शासक के रूप में नवीन पटनायक शपथ मंच पर पहुंचे।

इसे संयोग कहें या कुछ और कि जिस बीजेपी की बैसाखी के सहारे नवीन पटनायक ने उड़ीसा में नया इतिहास रचा, उसी बीजेपी ने ठीक 24 साल बाद नवीन पटनायक को भूतपूर्व बना दिया। अठारहवीं लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में मिले सदमे से जब बीजेपी जूझ रही थी, उसी वक्त उड़ीसा ने पार्टी को सांत्वना देने का काम किया। राज्य की 21 लोकसभा सीटों में बीस पर एकतरफा जीत हासिल करके राज्य को एक तरह से कांग्रेस मुक्त बना दिया। विपक्ष को मिली इकलौती सीट नवीन पटनायक को मिली।

इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव। लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। विधानसभा चुनावों के ठीक पहले पांडियन ने इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल में नवीन के अघोषित उत्तराधिकारी के रूप में उभरते चले गए। उन्होंने चुनाव अभियान में खूब मेहनत की। उड़ीसा में यहां तक माना जाने लगा था कि आने वाले दिनों में अगर बीजू जनता दल को जीत मिलती है तो नवीन सिर्फ नाम मात्र के मुख्यमंत्री होंगे और पांडियन असली मुख्यमंत्री होंगे।

जिस उड़ीसा के लोग पूरे देश में रोजगार और पढ़ाई के लिए फैले हुए हैं, जहां के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की तूती अमेरिका के सिलिकॉन वैली तक में बोलती है, उसी उड़ीसा के लोगों का अपना स्वाभिमान जाग उठा। उन्हें नवीन पटनायक तो पसंद रहे, लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में वी के पांडियन पसंद नहीं रहे। उड़िया बनाम बाहरी का नारा लगा और भारतीय जनता पार्टी ने इसे जन नारा बना दिया। इसका असर यह हुआ कि बीजेपी ने उस नवीन पटनायक को किनारे लगा दिया, जिन्होंने कभी उसका हाथ झटककर उसे किनारे लगा दिया था।

वी के पांडियन की पत्नी भी उड़ीसा में आईएएस अफसर हैं। सुजाता कार्तिकेयन और पांडियन की जोड़ी पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा प्रभावी हुई। उड़ीसा ऐसा राज्य है, जहां कम पढ़े लिखे, और कई बार अनपढ़ आदिवासी आबादी के साथ ही सवर्ण और पढ़े-लिखे प्रभावी लोगों का बेहतर अनुपात है। आदिवासी समुदाय में चर्चों का प्रभाव है। चर्च के प्रभाव को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद यहां गहरे तक सक्रिय है। संघ विचार परिवार के मजबूत सांगठनिक पहुंच और पकड़ के चलते देखते ही देखते बीजेपी ने भी गांव-गांव तक अपनी पैठ बना ली। नवीन पटनायक की चूंकि उम्र बढ़ रही है और वे शादीशुदा नहीं है। लिहाजा मौजूदा चलन के मुताबिक, उनकी विरासत को बढ़ाने के लिए उनके परिवार में कोई रहा नहीं। बीजू जनता दल का संगठन भारतीय जनता पार्टी की तरह नहीं रहा, लिहाजा वहां दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभर नहीं पाया। पांडियन और उनकी बढ़ती दखलंदाजी और प्रभाव के चलते बीजू जनता दल के कद्दावर नेता अलग होते चले गए। उनमें से ज्यादातर ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इस बीच बीजेपी ने आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ बनाई। आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान कराया। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता गया, बीजेपी ने स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे को खूब उछाला। हालांकि शुरूआत में ऐसा नहीं लग रहा था कि नवीन पटनायक को बड़ी चुनौती मिल सकेगी। बड़े से बड़े राजनीतिक पर्यवेक्षक यही मान रहे थे कि बहुत होगा तो लोकसभा में बीजेपी की सीटें बढ़ जाएगी। विधानसभा में भी बीजेपी की ताकत बढ़ेगी, लेकिन राज्य की सत्ता नवीन बाबू के ही हाथ रहेगी। लेकिन स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे के साथ ही बीजू जनता दल के नेताओं के पलायन से उड़ीसा में संदेश गया कि अगर नवीन बाबू को जीत मिलती भी है तो उनके हाथ सत्ता नहीं रहेगी। उन पर शासन करने वाला उनका अपना नहीं, तमिलनाडु का नेता होगा। बीजेपी ने चुनाव अभियान में इसे बार-बार उछाला।

नवीन पटनायक 77 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी साथ नहीं देता। राज्य में यह भी माना जाने लगा कि उनके स्वास्थ्य की ठीक से देखभाल नहीं की गई। दबी जुबान से यह भी कहा जाता रहा कि उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली दवाएं दी गईं। बीजेपी ने तो अपने चुनाव अभियान में वादा तक किया कि अगर वह सत्ता में आती है तो वह नवीन बाबू के स्वास्थ्य की उच्चस्तरीय जांच कराएगी। इससे पांडियन को लेकर रोष बढ़ा। जिसका नतीजा बीजू जनता दल की सत्ता से विदाई के रूप में सामने है।

अगर नवीन पटनायक ने अपने ही दल से अपना कोई उत्तराधिकारी चुना होता, दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभारने की पुरानी तैयारी किए होते तो शायद चुनावी नतीजे उनके लिए इतने खराब नहीं होते। सत्ता से बीजू जनता दल के बाहर होने के बाद माना जा रहा था कि राज्य में नेता प्रतिपक्ष का पद नवीन पटनायक वी के पांडियन को दे सकते हैं। हालांकि पांडियन ने बीजू जनता दल की हार के चलते राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। ऐसे में लग रहा था कि नवीन पटनायक नेता प्रतिपक्ष का पद किसी और को भी दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने राजनीतिक पर्यवेक्षकों को चौंकाते हुए खुद को विधानसभा में विरोधी दल का नेता घोषित कर दिया है।

दावाग्नि से सुरक्षा

झाड़ियों से पीट कर आग बुझाने की मजबूरी से बाहर निकलना होगा। आधुनिक तकनीकों के बिना आग नियंत्रण के प्रयास करते हुए गत वर्ष भी वन कर्मी हिमाचल में काल का ग्रास बन गए थे। संवेदनशील बीटों में प्राकृतिक जल स्रोतों को चिन्हित करके स्थायी तौर पर पाईप लाइनें बिछा कर हाईड्रेंट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, ताकि तत्काल वहां से पानी लेकर रोलिंग पाइप बिछा कर आग पर काबू पाया जा सके। जहां जहां सडकें पहुंच गई हैं, वहां मोबाइल वाटर टैंक की व्यवस्था होनी चाहिए। हर तरह की स्थलाकृति में चल सकने वाले छोटे अग्निशमन वाहनों का प्रबंध होना चाहिए। कम पानी से अधिक सफल अग्नि नियंत्रण के लिए धुंध स्प्रे तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है।

कुलभूषण उपमन्यु

त दुनिया भर में जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिसके पीछे जलवायु परिवर्तन एक बड़े कारक के रूप में उभर रहा है। इस वर्ष ब्राजील में अमेजन के वर्षा वनों में 75000 आग की घटनाएं हो चुकी हैं। 2013 से यह संख्या दोगुनी है, जिससे 30 लाख जीव प्रजातियों पर खतरा मंडरा रहा है। दुनिया की 25 फीसदी ऑक्सीजन की जरूरत इन वर्षा वनों से पूरी होती है। मैक्सिको, ग्रीस, अमेरिका सहित दुनिया के अनेक देश दावाग्नि की चपेट में आ चुके हैं। वैसे तो मनुष्य समाज शुरू से ही जंगलों को आग से साफ करके खेती के लिए जमीनें तैयार करता रहा है, किन्तु अब दुनिया की हवा, पानी और पर्यावरणीय जरूरतों को पूरा करने के लिए जितने न्यूनतम क्षेत्र में वन होने चाहिए, उतने भी नहीं बचे हैं। इसलिए इस घातक प्रक्रिया पर विराम लगाना अति आवश्यक हो गया है। जंगलों की आग के और भी अनेक नुकसान हैं। आग से फैलने वाला धुआं कार्बन डाईऑक्साइड का मुख्य स्रोत होने के कारण ग्रीन हाउस प्रभाव पैदा करके वैश्विक तापमान में वृद्धि करता है। तापमान वृद्धि से आग लगने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस तरह एक घातक दुश्चक्र चल निकला है। वनाग्नि से असंख्य जीव-जंतु नष्ट हो जाते हैं और जैव विविधता के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। मिट्टी की ऊपरी परत जल कर खुरखुरी हो जाती है और बारिश में बह कर समुद्र में पहुंच जाती है। वनस्पति का आच्छादन समाप्त हो जाने से भूजल भरण की प्रक्रिया भी बाधित हो जाती है। वायु प्रदूषित हो जाने के कारण श्वास संबंधी रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। हमारे देश में भी वनाग्नि भयंकर समस्या बनती जा रही है।

अकेले हिमाचल प्रदेश में ही इस वर्ष 1900 वनाग्नि की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे 20000 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसमें से 2729 हेक्टेयर वृक्षारोपण क्षेत्र है। 374 वन बीट संवेदनशील हैं। इससे 6.61 करोड़ रुपए का नुकसान अनुमानित है। किंतु यह अनुमान तो वृक्ष की मृत पैदावार की कीमत पर आधारित है। पेड़ की पर्यावरणीय सेवाओं के हिसाब से यदि नुकसान का आकलन करना हो तो यह अरबों रुपए में जाएगा। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए दो तरह से प्रयास करने होंगे। एक तो आग लगने की घटनाएं ही कम होती जाएं, ऐसी व्यवस्था करनी होगी। लोगों को जागरूक करना है ताकि वे वनों में आग के नुकसान से परिचित हों और इस कार्य का प्रकट विरोध करने के लिए सक्रिय हों। वनों का नुकसान सरकार का नुकसान नहीं है, बल्कि पूरे समाज का नुकसान है। आग लगाने वाले शरारती तत्वों को पकड़ने और दंडित करने की व्यवस्था हो। दूसरा काम है, जब आग लग जाती है तो उस पर काबू पाना। इसके लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जानी चाहिए। आग लगे तो कुआं खोदने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा और आग प्रतिरोधक स्थायी योजना बनानी चाहिए। सबसे पहले आग लगने के तत्काल बाद पता लग जाना चाहिए। इसके लिए खोज टावर नेटवर्क और दूरबीन एवं रेडियो से लैस कर्मी चाहिएं, जो त्वरित रिपोर्टिंग कर सकें। पुराने समय में लोगों की वनों पर निर्भरता का स्तर बहुत ऊंचा था जिससे आग बुझाने में उनका सहयोग लेना आसान था। लोग हाथ से कठिन परिश्रम के आदि थे और आग बुझाने जैसे कठिन काम को करने की हिम्मत जुटा लेते थे। आज इन बातों की कमी हो गई है, जिससे आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

झाड़ियों से पीट कर आग बुझाने की मजबूरी से बाहर निकलना होगा। आधुनिक तकनीकों के बिना आग नियंत्रण के प्रयास करते हुए गत वर्ष भी वन कर्मी हिमाचल में काल का ग्रास बन गए थे। संवेदनशील बीटों में प्राकृतिक जल स्त्रोतों को चिन्हित करके स्थायी तौर पर पाईप लाइनें बिछा कर हाईड्रेंट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, ताकि तत्काल वहां से पानी लेकर रोलिंग पाइप बिछा कर आग पर काबू पाया जा सके। जहां जहां सडकें पहुंच गई हैं, वहां मोबाइल वाटर टैंक की व्यवस्था होनी चाहिए। हर तरह की स्थलाकृति में चल सकने वाले छोटे अग्निशमन वाहनों का प्रबंध होना चाहिए। कम पानी से अधिक सफल अग्नि नियंत्रण के लिए धुंध स्प्रे तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। इस तकनीक में अग्निशमन वाहन पर टरबाइन स्प्रेयर लगा होता है जो पानी को धुंध में परिवर्तित करके स्प्रे करता है, जिससे अग्निशमन की कुशलता बढ़ जाती है। पिठू स्प्रेयर भी कारगर हो सकते हैं। यदि पानी में डिटरजेंट मिला कर स्प्रे किया जाए तो अग्निशमन की क्षमता बढ़ जाती है। छोटे रास्तों के लिए अग्निशमन बाइक भी उपलब्ध हैं, जिनमें 40-50 लीटर पानी के टैंक लगे होते हैं, और स्प्रे व्यवस्था होती है। अग्निशमन कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए जाने चाहिएं, जिसमें अग्निरोधी वर्दी, फिल्टर मास्क, अग्निरोधी बूट, रीहाईड्रेशन घोल आदि मुख्य हैं।

पानी लेने के लिए स्थान-स्थान पर पाइप पॉइंट और तालाब निर्माण होना चाहिए। ऐसी व्यवस्था होगी तो अग्निशमन कर्मी उत्साहित होकर काम कर सकेंगे और जन सहयोग लेना भी आसान होगा। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में चीड़ का एकल रोपण भी आग के लिए बड़ा जिम्मेदार है। अतः प्रयास किया जाना चाहिए कि चीड़ वनों को मिश्रित प्राकृतिक वनों में बदला जाए। वन संबंधी विविध डाटा विश्लेषण के आधार पर अग्निशमन दीर्घकालीन योजना बनानी चाहिए, जिसमें भूमि आच्छादन, स्थलाकृति, मिट्टी का प्रकार, वनस्पति प्रकार और मानव गतिविधि को ध्यान में रख कर योजना बने, तो संपूर्णता से स्थायी समाधान की ओर बढ़ा जा सकता है।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के संबंध में

भ एक दिन सभा में भारत का गौरवगान करते स्वामी जी से एक आदमी बोला, भारत के हिंदुओं ने अब तक किया ही क्या है? वे किसी भी दूसरे देश को जीत नहीं सके। स्वामी जी ने जवाब दिया, नहीं ऐसा मत कहिए। उन्होंने जीतना चाहा भी नहीं। यही उनका गौरव है। भारतवासी कभी किसी चीज को ललचाई नजरों से नहीं देखते। वे कोई चोर, डाकू नहीं हैं, जो लूटमार करके दूसरों की चीजें अपनी बनाएं और बेकार में किसी का खून बहाएं। इस प्रकार एक सभा में किसी ने सवाल किया, आप जब भारत को धर्मगुरु कहते हैं तो इससे पहले आपके देश का कोई धमार्चार्य धर्मप्रचार्य के लिए यहां क्यों नहीं आया। स्वामी जी ने जवाब दिया, उस वक्त तुम्हारे पूर्वज असभ्य और जंगली थे, वे नग्नप्रायः अवस्था में जंगलों में रहते थे। इस हालत में हम उन्हें कहां तलाश करते और कैसे शिक्षा देते। ऐसे ही एक बार ईसाई धर्मावलंबियों की आलोचना सुनकर एक आदमी ने पूछा स्वामी जी आप ईसाई तो हैं नहीं, इसलिए ईसाई धर्म के आदेश और तत्त्व को आप कैसे समझ सकते हैं। स्वामी जी ने फौरन ही उत्तर दिया तुम्हारे ईसा से पूर्व देश के ही सर्वस्व त्यागी संन्यासी थे। मैं भी उन्हीं की तरह एक पूर्व देश का संन्यासी हूं। मैं तुमसे ज्यादा उन्हें समझता हूं। मैं तो बल्कि यही कहूंगा कि आप लोग अभी तक ईसा के उपदेश को ठीक से समझ ही नहीं पाए हैं। क्या उन्होंने यह भी नहीं कहा था कि जाओ अपना सब कुछ बांट दो, तब मेरा अनुसरण करना। ईसा के मानने वाले तुम्हारे देश के कितने लोगों ने उनकी इस बात को मानकर कि धनी व्यक्ति के स्वर्ग राज्य में प्रवेश पाने की अपेक्षा ऊंट का सूई के छेद से निकलना ज्यादा आसान है।

अपना धन धान्य त्याग दिया है। सवाल पूछने वालों की इस तरह सुनकर जो स्थिति होती है, उसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। बेचारे अपना सा मुंह लेकर रह जाते थे। ऐसे ही बोस्टन की एक धनी भद्र महिला ने स्वामी जी के प्रचार कार्य का सारा खर्च खुद देने का वचन देते हुए वहां पधार कर प्रचार करने के लिए एक खत लिखा। इसे प्रभुप्रदत्त सुयोग मानकर स्वामी जी ने वहां जाने का निश्चय किया। इंग्लैंड की शिष्य मंडली को एक संस्था के रूप में संगठित करके और कार्य विधि का उचित निर्देश देकर तीन महीने लंदन में रहने के बाद स्वामी जी फिर से अमरीका लौट आए। अमरीका में स्वामी जी के न होने पर उनके शिष्य कृपानंद, स्वामी अभयानंद तथा भगिनी हरिदासी इस प्रचार कार्य को अंजाम दे रहे थे। उत्साही प्रचारक जहां कहीं भी जाते, लोगों की भीड़ उनका प्रचार सुनने के लिए वहीं इक्ठा हो जाती। न्यूयार्क के अलावा डिटय तथा बाफोला में भी प्रचार केंद्र स्थापित हो चुके थे। स्वामीजी 6 दिसंबर को न्यूयार्क में पहुंच गए।

पूर्व चर्चित बोस्टन निवासिनी महिला की सहायता से स्ट्रीट नवंबर 21 में दो बड़े-बड़े कमरे किराए पर ले लिए गए। स्वामी जी शिष्यवत कृपानंद के साथ यहां रहने लगे। दोनों कमरों को मिलाकर 140 के लगभग जिज्ञासु छात्र वहां बैठ सकते थे। स्वामी जी ने कर्मयोग के संबंध में एक व्याख्यान माला तैयार की। इस माला में व्याख्यानों का संग्रह करके कर्मयोग नामक पुस्तक प्रकाशित की गई। सार्वभौमिक धर्म का आदर्श नाम प्रसिद्ध व्याख्यान भी यहीं पर और इन्हीं दिनों दिया गया था। उनके शिष्यों की इच्छा थी कि उनके व्याख्यानों को लिपिबद्ध किया जाए। पैसों की कमी के कारण वे किसी योग्य आशुलिपित को अपने साथ नहीं रखते थे। इसी वजह से उनकी चर्चा और भाषणों का अद्योपांत विवरण नहीं मिला। बीच-बीच में स्थानीय रूप से कभी किसी को नियुक्त किया भी जाता था, लेकिन भ्रमणशील संन्यासी का अनुसरण नहीं हो पाता था। प्रभु प्रदत्त संयोग से इंग्लैंड से इन दिनों एक योग्य आशुलिपिक श्रीजे.जे गुडविन यहां आए हुए थे।

आपके पत्र

योग का बढ़ता महत्त्व

योग के महत्व को समझते हुए 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को हरी झंडी दी थी। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना भारत के लिए बहुत ही अच्छी और बहुत ही गर्व की बात है। कहत हैं -ह्यव्यायामात लभते स्वास्थ्यं दीघार्युष्यं बलं सुखं, आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम। अर्थात व्यायाम से स्वास्थ्य, लम्बी आयु, बल और सुख की प्राप्ति होती है, निरोगी होना परम भाग्य है और स्वास्थ्य से अन्य सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

योग का इतिहास बहुत पुराना है। श्रुति परंपरा में बताया गया है कि भगवान शिव योग विद्या के पहले आदि गुरु, योगी या आदियोगी हैं। हजारों साल पहले भगवान शिव ने हिमालय की कांतिसरोवर झील के किनारे सप्तऋषियों को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। आज योग का महत्त्व पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

-रंजन सिंह, रांची

बिहार में एक सप्ताह के अंदर तीसरा पुल गिरा, मोतिहारी में निर्माणाधीन पुल ध्वस्त

मोतिहारी, एजेंसी

बिहार के अररिया और सिवान के बाद मोतिहारी में पुल गिरने का मामला सामने आया है। घटना जिले के घोड़ासहन प्रखंड में शनिवार की रात की है, जहां निर्माणाधीन पुल ध्वस्त हो गया। लगभग डेढ़ करोड़ की लागत से पुल बन रहा था। पुल की ढलाई के बाद ही ध्वस्त हो गया। इस घटना के बाद से सवाल उठने लगा है कि एक महीने के अंदर तीन पुल गिर गया है। घोड़ासहन प्रखंड के अमवा से चैनपुर स्टेशन जाने वाली सड़क में लगभग 40 फीट पुल बनने का काम चल रहा है।

शनिवार की रात की घटनाः प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। एक करोड़ 59 लाख 25 हजार 602 रुपए की लागत से बन रहे पुल के उपरी भाग का शनिवार को ढ़लाई हुआ था लेकिन बीती रात ही गिर गया। विभागीय अधिकारी असमाजिक तत्वों द्वारा पुल ध्वस्त किए जाने की बात कह रहे हैं।

रमा देवी ने किया था शिलान्यासः मोतिहारी

के धीरज कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 18 मीटर लंबा पुल बनवाया जा रहा है। इस्का शिलान्यास शिवहर की पूर्व भाजपा सांसद रमा देवी ने इसी साल 10 मार्च को किया था। पुल का निर्माण घोड़ासहन प्रखंड के अमवा से चैनपुर स्टेशन जाने वाले पथ में हो रहा है।

ग्रामीण दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पुल का निर्माण जिस डायरेक्शन में बनना था उस डायरेक्शन में पुल नहीं बन रहा है। इंजीनियर पुल के डायरेक्शन को बदल कर निर्माण करा रहा है। इसके अलावा पुल निर्माण में लगाए जा रहे मैटेरियल भी गुणवत्तापूर्ण नहीं है। स्टीमेट के अनुसार पुल का निर्माण नहीं हो रहा है जिस कारण ढ़लाई के साथ ही पुल ध्वस्त हो गया।

सिवान में पुल गिराः इस महीने अब तक तीन पुल गिरने का मामला सामने आया है। शनिवार को ही सिवान में पुल गिर गया था। गंडक नदी के नहर पर बना 30 फीट लंबा पुल गिर गया जिससे आवागमन बाधित हो गया। महाराजगंज के पटेढ़ाऔर गरौली गांव के बीच पुल बना हुआ था। यह पुल 40 से 45 साल पुराना था। लोगों ने बताया कि नहर की सफाई के दौरान मिट्टी काटने के कारण पुल ध्वस्त हो गया।

अररिया में गिर चका है पुलः इससे पहले अररिया के सिकटी प्रखंड में 12 करोड़ की लागत से पुल गिर गया था। बकरा नदी पर बन रहे पुल का तीन पाया ध्वस्त हो गया था। एप्रोच पथ का निर्माण होना था इससे पहले ही पुल गिर गया। तीसरी घटना शनिवार की रात है, जहां मोतिहारी में निमार्णाधीन पुल गिर गया।

बिहार में 6 दिन में 3 पुल ढहने पर तेजस्वी यादव का तंज

पुल खुदकुशी कर रहे या उन्हें चूहे कुतर रहे हैं

पटना, एजेंसी

बिहार में बीते 6 दिनों में अररिया, सीवान और पूर्वी चंपारण में जिलों में पुल गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। जिस पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य और केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज भी कसा है।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, ह्यपुल गिरे, भ्रष्टाचार के गुल खिले। 18 वर्षों के मुख्यमंत्री और बेचारे दो-दो उपमुख्यमंत्री तो इन सबके बारे में जानते ही नहीं है। जानकर कर भी क्या लेंगे? ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? डबल इंजनधारी लोग कह देंगे कि पुल खुदकुशी कर रहे है या चूहे पुल कुतर रहे है।

तेजस्वी यादव का प्रधानमंत्री पर तंज

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री कहेंगे, भाइयों और बहनों, चुपचाप पुल को गिरते हुए देखो वरना तथाकथित जंगलराज आ जाएगा। पुल का गिरना एक्ट ऑफ गॉड है। ये मोदी की गारंटी से भी बड़ी गारंटी वाले पुल थे लेकिन ईश्वर की इच्छा के आगे कंक्रीट का पुल क्या कर सकता है? मित्रों, बोलो- जय श्री राम!

मुख्यमंत्री पर किया कटाक्ष

तेजस्वी ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, मुख्यमंत्री कहेंगे कि, पहले पुल गिरता था जी? अब हम लोग एक साथ आ गए है तो पुल गिर रहे है। जान लीजिए, एक-एक पुल गिर रहा है। गिर रहा है तो गिर रहा है। ऊ लोग इ किया है जी? ऊ लोग नदी और पानी के साथ मिल ई सब गड़बड़ करता रहता है। हम सब जांच कराएंगे।

बिहार में पिछले छह दिनों में एक के बाद एक तीन पुल ढह गए। पहले अररिया और सीवान में, अब पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन प्रखंड में पुल ढहने की घटना हुई है। 17.95 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 59 लाख 25 हजार 602 रुपये की लागत से किया जा रहा था। लेकिन निर्माण कार्य के दौरान ही यह पुल ढह गया। जिसके बाद राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ गई है।

औरंगाबाद के लाल का पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

छत्तीसगढ़ में नक्सली से लोहा लेते शहीद हुए थे बीएसएफ जवान

औरंगाबाद, एजेंसी

बिहार के औरंगाबाद निवासी बीएसएफ जवान मदन सिंह (40) छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से लोहा लेते शहीद हो गए थे। शनिवार की देर शाम उनके पैतृक गांव रिसियप थाना क्षेत्र के सड़सा गांव में पार्थिव शरीर लाया गया। शनिवार को मदन सिंह का शव जैसे ही गांव में पहुंचा हजारों की संख्या में भीड़ अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। शहीद के अंतिम दर्शन के दौरान भारत माता की जय के गगनभेदी नारे लगाए गए।

पैतृक गांव में अंतिम संस्कारः अंतिम यात्रा में लोगों ने उनकी शहादत को नमन करते हुए भारत माता की जय, वीर शहीद जिंदाबाद, जब तक सूरज चांद रहेगा मदन तेरा नाम रहेगा जैसे गगनभेदी नारे लगाए। शव लेकर बीएसएफ के जवान जैसे ही उनके घर पहुंचे पत्नी, बच्चों और अन्य परिजन फफक फफककर रो पड़े और उनके करुण चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। मौजूद हर एक व्यक्ति की आंखें नम हो गई।

होली में छुट्टी मना कर ड्यूटी पर गए थेः शहीद बीएसएफ जवान मदन सिंह सड़सा गांव निवासी मानदेव सिंह के तीसरे पुत्र थे। बताया जाता है कि उनकी पोस्टिंग छत्तीसगढ़ में ही थी। आखिरी बार वे इसी वर्ष होली की छुट्टी में अपने गांव आए थे। शहीद मदन सिंह की शादी वर्ष 2001 में संजू देवी से हुई थी जो गांव में ही अपने सास ससुर के साथ रहती है। शहीद का बेटा शिवम रांची में इंटर की पढ़ाई कर रहा है जबकि बेटी सिया नंदिनी बीए फाइनल ईयर की छात्रा है।

पटना में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

पटना, एजेंसी

राजधानी पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का मामला सामने आया है। मलिया महादेव मंदिर स्तिथ जल्ला रोड इलाके में प्रॉपर्टी डीलर अरुण कुमार आज सुबह अपने घर से निकला थे। घर से निकलते ही धात लगाए अपराधियो ने तीन-चार गोली उन पर चलाई और वहां से फरार हो गए। गोली लगने से अरुण की घटनास्थल पर गिर गए। आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जमीन विवाद में हत्याः प्रॉपर्टी डीलर अरुण की हत्या की खबर सुनते ही इलाके में कोहराम मच गया है। लोगों की भीड़ घटनास्थल पर इकट्ठा हो गई। वहीं हत्या की सूचना मिलने के बाद एएसपी सारथ एसआर पूरे दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से हत्या का कारण पूछने में जुट गए। फिलहाल हत्या का कारण अबतक साफ नहीं हो पाया है। हालांकि अरुण जमीन के खरीद बिक्री का करता था, इसलिय जमीन विवाद में उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।नामचीन लोगों पर लगा हत्या का आरोपः अरुण की हत्या की खबर सुनकर इलाके में दहशत का माहौल है। परिजनों ने हत्या के पीछे कई नामचीन लोगों पर गंभीर आरोप लगाया है। फिलहाल एएसपी सारथ एसआर ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। इधर परिजनों ने अरुण की हत्या का आरोप जिन नामचीन लोगों पर लगाया है, उसकी भी जांच की जा रही है।

एक महीने में बनकर तैयार हो जाएगा पटना का बापू टावर

सीएम नीतीश कुमार ने निर्माण स्थल का लिया जायजा

पटना, एजेंसी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक बार फिर से बापू टावर पटना का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के साथ भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी और राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। अधिकारियों की टीम के साथ सीएम ने निर्माण की पूरी जानकारी ली। बापू टावर का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा कि बहुत जल्द इसका निर्माण हो जाएगा।

'एक महीने में निर्माण हो जाएगा': नीतीश कुमार ने कहा कि इन लोगों को काम करने में थोड़ी देरी हो रही है। हालांकि सीएम बराबर निरीक्षण करने के लिए आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर इस टावर को बना दिया जाएगा। नीतीश कुमार ने कहा कि 'एक महीने बाद सब काम कंप्लीट हो जाएगा उसके बाद इसका उद्घाटन करेंगे।

129 करोड़ की लागत से हो रहा

निर्माणः बापू टावर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। 129 करोड़ की लागत से गर्दनीबाग के इलाके में बापू टावर का निर्माण हो रहा है। बापू टावर की प्रदर्शनी गैलरी में लगने वाली मूर्तियां और कलाकृतियों का निर्माण अहमदाबाद की फैक्ट्री में करायी गयी है। 42 करोड़ की लागत से गांधी जी और बिहार के इतिहास से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई जा रही है।

बापू टावर का बड़ा हिस्सा ग्रीन एरियाः बापू टावर के आयताकार भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। सजाने का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। गोलाकार भवन की बाहरी दीवार में 42000 किलो तांबे की परत लगाई गई है। दीवार पर लगने वाला तांबा ऑक्सीजन और नाइट्रोजन के रिएक्शन से इंद्रधनुषी रंगों में बदल रहा है। इससे भवन की खूबसूरती बढ़ गई है। बापू टावर का बड़ा हिस्सा ग्रीन एरिया रहेगा।

फरवरी में होना था उद्घाटनः बापू टावर में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई प्रदर्शनी रहेगी। इससे आज के युवा पीढ़ी को गांधी जी के बारे में जानकारी मिल सकेगी। ऐसे तो फरवरी में ही इसके उद्घाटन की चर्चा थी लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण इसमें विलंब हुआ है। अब डेढ़ से 2 महीने में इसका उद्घाटन होने की बात कही जा रही है।

न्यूज फ्लैश

लखीसराय में मिला 11वीं सदी का बौद्ध महाविहार

लखीसराय, एजेंसी

भारत में प्राचीन बौद्ध महाविहार तो काफी हैं। बिहार की गंगा घाटी के इलाके में भी जगह-जगह हुई खुदाई से इसके अवशेष निकले हैं। परंतु, हाल ही में लखीसराय जिले की लाली पहाड़ी पर खुदाई से मिले बौद्ध महाविहार के चिन्ह पर पूरी दुनिया की नजर टिक गई है। गंगा घाटी में यह पहला मामला है, जब किसी बौद्ध महाविहार का अवशेष पहाड़ी पर मिला है। इससे पहले गंगा घाटी में मिले बौद्ध विहार के जमीन पर ही निर्मित होने के प्रमाण मिले हैं। कार्बन डेटिंग में इसके 11वीं-12वीं सदी के बीच के होने के अनुमान लगाए गए हैं। देश में पहली बार यहां लकड़ी की मन्नत पट्टिका मिली है। इससे पहले लकड़ी की मन्नत पट्टिका म्यांमार या दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में ही पाई गई है।

यहां खुदाई कार्य का नेतृत्व करने वाले विश्वभारती शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार ने बताया कि भारत में अब तक जहां भी खुदाई हुई, वहां पत्थर या मिट्टी की मन्नत पट्टिका मिली थी, लेकिन लखीसराय की लाली पहाड़ी पर खुदाई के दौरान लकड़ी की मन्नत पट्टिका मिली है, जो इसे अन्य जगहों से अलग पहचान दिलाता है। वहीं यहां भिक्षुणियों के आवासन का भी प्रमाण मिला है। उन्होंने कहा कि लाली पहाड़ी पर मिला बौद्ध महाविहार गंगा घाटी में पहाड़ी पर मिला पहला बौद्ध महाविहार है, जिससे इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

लाली पहाड़ी पर बौद्ध महाविहार होने की संभावना की जानकारी मिलने के बाद स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 25 नवंबर 2017 को लाली पहाड़ी पहुंच खुदाई कार्य का शुभारंभ किया था। जिसके बाद 2020 तक चली खुदाई के दौरान बौद्ध महाविहार का स्वरूप निकल कर सामने आया। इसमें सुरक्षा के व्यापक इंतजाम के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम की भी बात सामने आयी थी। वर्ष 2018 में स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसे देख काफी आश्चर्यचकित हुए थे। वहीं लाली पहाड़ी की खुदाई से निकली सामग्रियों को सुरक्षित रखने के लिए मौके पर ही सीएम ने लखीसराय में एक संग्रहालय का निर्माण कराने की घोषणा कर दी। जो अब मूर्त रूप ले चुका है।

डॉ अनिल कुमार कहते हैं कि लखीसराय को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं। सिर्फ इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लाली पहाड़ी की खुदाई के बाद जिले के आधा दर्जन स्थलों को राजकीय धरोहर घोषित कर दिया गया है, लेकिन उसके संरक्षण की दिशा में आवश्यक कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। लाली पहाड़ी की तरह ही जिले के घोसी कुंडी, बिछवे, नोनगढ़, लय, उरैन आदि जगहों पर खुदाई की आवश्यकता है। जहां की खुदाई से लखीसराय का स्वर्णिम इतिहास निकलकर सामने आएगा और जिला में पर्यटकों का भी आगमन होगा। जो लखीसराय जिले के राजस्व बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

भागलपुर एयरपोर्ट का फिर उठा मुद्दा, बोले राजेश वर्मा- हर हाल में शुरू होगी हवाई सेवा

भागलपुर, एजेंसी

खगड़िया के लोजपा (आर) के युवा सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों को लेकर विकास का नया लकीर खींचना है। हमारा नेता चिराग पासवान के विकास के सपने को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। शनिवार को भागलपुर प्रवास के दौरान उन्होंने खरमनचक स्थित आवास पर बातचीत के दौरान कहा कि भागलपुर में हवाई सेवा हर हाल में चालू होगी, यह सरकार का भी सपना है।

सांसद ने कहा कि भागलपुर एयरपोर्ट केवल एक शहर का मुद्दा नहीं है। हवाई सेवा चालू होने से स्थानीय के साथ ही खगड़िया की जनता को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि खगड़िया की 18 लाख की जनता के लिए काम करना उनकी प्राथमिकता है। सांसद ने आगे कहा कि चिराग पासवान ने पार्टी के एक- एक कार्यकर्ताओं को यह पाठ पढ़ाया है कि जात-पात व मजहब को दरकिनार कर सबको साथ लेकर चलना है। सीतामढ़ी के जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान पर उन्होंने किसी टिप्पणी से इनकार किया।

विपक्ष द्वारा डिप्टी स्पीकर के पद के लिए बयानबाजी पर सांसद ने कहा कि विपक्ष सपना देख रहा है। एनडीए का ही स्पीकर व डिप्टी स्पीकर होगा। इस पद पर के लिए किसका चयन होगा इस पर उन्होंने कहा कि इस पर एनडीए का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। एनडीए का ही स्पीकर व डिप्टी स्पीकर होगा। इस पद पर के लिए किसका चयन होगा इस पर उन्होंने कहा कि इस पर एनडीए का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने तीसरी बार पीएम बनाया। जनता भारत को विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में देखना चाहती है इसलिए उन्हें पीएम तीसरी बार बनाया है।

पटना के दानापुर में छात्र का अपहरण, स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

पटना, एजेंसी

राजधानी पटना के दानापुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी से 19 वर्षीय युवक आशु कुमार के लापता होने का मामला सामने आया है। वहीं परिजनों ने अपहरण की आशंका जाहिर की है। बताया जा रहा है की बीजेपी नेता राजेश कुमार सिंह का पुत्र आशु 21 जून को अपने घर से सारण के दुरौंधा में बी फार्मा का एग्जाम देने गया था। वहां जाकर उसने अपने परिजनों से बात कर सकुशल पहुंचने की बात कही लेकिन उसके बाद अब तक वह घर नहीं लौटा है। जिसके बाद युवक के पिता राजेश कुमार सिंह ने अपहरण की आशंका जताते हुए दानापुर थाना में लिखित आवेदन दिया है।

युवक के पिता ने दिया लिखित आवेदानः अपने लिखित आवेदन में युवक के पिता ने बताया कि 21 जून की सुबह 10 बजे, आशु घर से अपने कॉलेज सारण के दुरौंधा में एग्जाम देने के लिए ट्रेन से निकला था। वहा पहुंच उसने अपने सकुशल पहुंचने के बात कही थी, उसके बाद उससे कोई बात नहीं हो पाई। आगे बताया की उसने अपनी मां से 22 जून की रात को 8 ।30 के करीब कॉल पर बात की थी। इस दौरान वह रोते हुए अपनी मां से धीमी आवाज में बोला था कि उसे किडनैप कर लिया गया है।

युवक ने किया मां को फोनः युवक ने मां से कहा कि ₹मुझे बचालो नहीं तो ये लोग मेरी जान ले लेंगे। मुझे दो दिनों से बाथरूम में बंद कर रखा है। मैं किसी तरह आपको कॉल कर रहा हूं।₹ इसके बाद कॉल कट गया। बात करने के दौरान उसने बताया कि उसे दानापुर थाना अंतर्गत स्थित पांचूचक के किसी अपार्टमेंट में होने की बात कही है। वहीं दानापुर आवेदन देने पहुंचे पीड़ित राजेश कुमार सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है। लिखित आवेदन प्राप्त होते ही दानापुर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शनः वहीं पीड़ित पिता भाजपा ने नेता राजेश कुमार सिंह ने बताया कि ₹मेरा पुत्र आशु कुमार 21 जून को परीक्षा देने सारण गया था लेकिन शाम तक घर वापस नहीं आया। आशु के फोन से वाट्सएप्प कॉल आया था। वो कह रहा था कि उसके साथ दो लड़के मारपीट कर रहे हैं।₹ वहीं मौके पर पूर्व बीजेपी विधायक आशा सिन्हा के साथ सैकड़ो बीजेपी कार्यकताओं ने गांधी मैदान दानापुर मुख्य मार्ग को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध जता रहे हैं।

नवादा में गैस टैंकर और ट्रक की भीषण टक्कर, दारोगा की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नवादा, एजेंसी

बिहार के नवादा में एक बड़ी घटना थानाध्यक्ष के सूझबूझ से टल गयी। बता दें कि नवादा में सड़क हादसा हो गया। गैंस टैंकर और ट्रक में आमने-सामने की जोरदार भिड़त हो गयी। हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। जहां मौके पर पहुंचकर पुलिस के द्वारा गाड़ी में फंसे ड्राइवर के शव को बाहर निकाला गया। बता दें कि पूरा मामला रविवार का है, जहां नगर थाना क्षेत्र के बुधौली गांव के पास यह घटना घटी है।

गैस टैंकर और ट्रक की आमने सामने भिड़ंत : जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार पहुंच गए। बताया गया कि एचपी गैस का टैंकर बिहारशरीफ की ओर से रांची की ओर जा रहा था, जिस्की बुधौली गांव के पास जोरदार टक्कर हो गई।

बिहार का मौसम सुहाना, अगले दो दिनों में 19 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी

पटना, एजेंसी

बिहार में मानसून के दस्तक दिए दो दिन हो गए हैं। राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्व के कई इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी है। कोसी-सीमाचंल इलाकों में रूक रूककर हो रही बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई है। इसमें सबसे ज्यादा गया जिला का वाजरीगंज है, यहां शनिवार को 44 ।2` बारिश हुई है। वहीं अररिया के कुसार्कांटा में 42 ।4 और फारबिगसगंज में 33 ।2 बारिश हुई।

पटना में मानसून लेटः हालांकि अभी राजधानी पटना तक मानसून नहीं पहुंचा है। इसके लिए अभी दो दिनों का इंतजार और करना होगा इसके बाद पटना के इलाकों में झमाझम बारिश होगी। बिहार के किसान धानरोपणी के लिए बारिश के इंतजार में हैं। जैसे ही मानसून पूरे बिहार में फैलेगा और बारिश होगी। किसान धानरोपणी में लग जाएंगे।

इन जिलों में बारिश को लेकर अलर्टः मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इसमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, अररिया और किशनगंज शामिल है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार इन जिलों में 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। वज्रपात के साथ-साथ बारिश होने की संभावना है।

दो दिनों में तेज बारिश होगीः मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून की गति कम रहेगी हालांकि

एक से दो दिनों के अंदर राज्य में तेज वर्षा और वज्रपात की संभावना है। अगले 25 से 27 जून कर राज्य के 19 जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, दरभंगा, वैशाली, सिवान, गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर शामिल है।

तापमान में कमीः बिहार में मानसून के आने से लोगों को गर्मी से भी राहत मिल रही है। शनिवार को जारी रिपोर्ट में भोजपुर सबसे गर्म रहा। हालांकि तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रहो। इसके अलावे पटना का अधिकतम तापमान 38.7, गया का 39.5, औरंगाबाद का 40.8, सासाराम का 39.9, बक्सर का 39.6, भागलपुर 35.9, मोतिहारी में 36.6, मुजफ्फरपुर में 35.6, गोपालगंज में 39.9, अररिया में 33, कटिहार में 34.5 और भागलपुर में 35.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

अकाली नेता ने मां-बेटी की हत्या कर खुदकुशी की

बरनाला, सूत्रकार

पंजाब के बरनाला में अकाली दल के नेता कुलवीर सिंह मान ने अपनी मां, बेटी को गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं घर के पालतू कुत्ते को भी गोली मार दी। इसके बाद कुलवीर सिंह ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना के समय कुलवीर सिंह की पत्नी घर पर नहीं थीं, वो दूध लेने के लिए गई हुई थीं। घटना बरनाला के संघेरा रोड लखारीवाला चौक के पास राम राज्य कॉलोनी के मकान नंबर 353 की है। पुलिस के मुताबिक घर के मुखिया ने अपनी मां और बेटी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। इसके साथ ही उसने अपने घर के एक पालतू कुत्ते को भी गोली मार दी। कुलवीर ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से घटना को अंजाम दिया। बरनाला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गहन जांच शुरू कर दी है। मृतक व्यक्ति कुलवीर सिंह मान शिरोमणि अकाली दल का बड़ा नेता था। बता दें कि कुलवीर सिंह की बेटी निमरत कौर कनाडा में पढ़ाई कर रही थी और छुट्टियां मनाने बरनाला पंजाब आई हुई थी। पूरे मामले की जांच कर रहे डीएसपी सतबीर सिंह ने बताया कि मृतकों में कुलवीर सिंह, उसकी बेटी निमरत कौर और कुलवीर सिंह की मां बलवंत कौर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कुलवीर सिंह की पत्नी रमनदीप कौर घर से दूध लेने गई थीं। जब वह दूध लेकर घर लौटी तो घर का गेट अंदर से बंद था। उन्होंने कॉलोनी के चौकीदार को बुलाया और अंदर जाकर गेट खोला तो एक कमरे में कुलवीर सिंह और उसकी बेटी निमरत कौर तथा दूसरे कमरे में उसकी मां और पालतू कुत्ते के शव मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से एक पिस्तौल बरामद हुई है, जो कुलवीर सिंह की लाइसेंसी थी। डीएसपी सतबीर सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कुलवीर सिंह काफी समय से डिप्रेशन का मरीज था और वह दवा ले रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस और अन्य फोरेंसिक टीमों के साथ जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी के बयानों के आधार पर 174 के तहत कार्रवाई की जा रही है। मृतकों का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

गैस सिलेंडर में रिसाव से घर में लगी आग, 7 झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी

गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में रविवार को दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। दरअसल यहां मकान में आग लगने से परिवार के सात लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनमें से तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक टीला मोड़ थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी इलाके में निर्माणाधीन मकान में गैस सिलेंडर में रिसाव हुआ था, जिसके चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई। इस दौरान घर में सात लोग मौजूद थे जो आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर पुलिस ने सातों लोगों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों में एक महिला और उसकी दो बेटियां शामिल हैं। एसपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया घटना रविवार दोपहर लगभग 12 की है, झुलसे लोगों में से तीन की मौत हो गई। वहीं अन्य चार लोगों का अस्पताल में इलाज जारी है। आग इतनी तेजी से फैली, कि घर में मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिल पाया। घटना के दौरान आसपास के लोगों ने भी वहां आग बुझाने का प्रयास किया। हादसे के संबंद में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया मकान में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। परिवार के सभी लोग एक कमरे में मौजूद थे। इसी कमरे में सामान रखा हुआ था। कमरे में गैस सिलेंडर से लीकेज हुआ था और जैसे ही माचिस जलाई गई आग लग गई। इससे कमरे में मौजूद लोग झुलस गए। हालांकि गैस में लगी आग तुरंत बुझ गई, लेकिन इस दौरान परिवार के लोग झुलस गए। पड़ोसी द्वारा अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई थी। अग्निशमन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले आग बुझ चुकी थी और परिवार के लोगों को अस्पताल में भर्ती करने के लिए ले जाया चुका था।

डीएनए जांच के लिए पूरे देश के आदिवासी मंत्री को भेजें अपने बाल और नाखून : राजकुमार

डूंगरपुर, एजेंसी

प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भारत आदिवासी पार्टी के नेताओं के खुद को हिंदू नहीं मानने वाले बयान पर शनिवार को टिप्पणी की थी, जिसको लेकर अब सियासत तेज हो गई है। शिक्षा मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए बाप सांसद राजकुमार रोत ने एक वीडियो जारी किया। साथ ही उन्होंने पूरे देश के आदिवासियों से अपील करते हुए कहा कि वो अपने बाल और नाखून का सैंपल डीएनए जांच के लिए शिक्षा मंत्री को भेजें। दरअसल, राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान बाप के नेताओं के खुद को हिंदू नहीं मानने के सवाल पर कड़ा एतराज जताया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि जो पार्टी देश और समाज को तोड़ने की बात करती है, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि बाप पार्टी के नेता खुद अगर खुद को हिंदू नहीं मानते हैं तो उनके डीएनए की जांच कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री के इस बयान के बाद बाप सांसद राजकुमार रोत ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो बयान जारी किया। इस बयान में रोत ने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के आदिवासियों का अपमान किया है। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की भी मांग की। वहीं, राजस्थान सहित पूरे देश के आदिवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे डीएनए जांच के लिए अपने बाल और नाखून का सैंपल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भेजें।

आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में कॉलेज छात्र गिरफ्तार, पांच अन्य हिरासत में

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने पश्चिम बर्धमान जिले से एक कॉलेज छात्र को गिरफ्तार किया है। साथ ही पांच अन्य को बांग्लादेश के आतंकी संगठन से कथित संबंध रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कंप्यूटर साइंस के द्वितीय वर्ष के छात्र को बांग्लादेश के प्रतिबंधित इस्लामी संगठन शहादत-ए-अल-हिकमा से कथित संबंध रखने के आरोप में शनिवार देर शाम उसके पानागढ़ स्थित घर से हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान छात्र के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एसटीएफ के अधिकारियों ने जिले के नबाबघाट इलाके से पांच और लोगों को हिरासत में लिया। एसटीएफ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार छात्र पश्चिम और पूर्वी बर्धमान जिलों से युवकों को आतंकी संगठन में भर्ती करने की कोशिश कर रहा था। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए पांच लोगों में से एक छात्र का भाई और चार अन्य लोग हैं, जो आतंकी संगठन में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसटीएफ ने छात्र का लैपटॉप और डायरी समेत कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। शहादत-ए-अल-हिकमा बांग्लादेश में प्रतिबंधित इस्लामी आतंकी संगठन है।

नक्सलियों के पास मिली नकली नोट छापने की मशीन

सुकमा, एजेंसी

नक्सली मोर्चे पर सुकमा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नक्सलियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरकर उनके करतूतों का पर्दाफाश किया है। पहली बार सुकमा पुलिस ने नक्सलियों के कब्जे से नकली नोट छापने की मशीन बरामद किया है। मौके से 500, 200, 100, 50 के नकली नोट भी बरामद किए गए है। साथ ही प्रिंटर, भारी मात्रा में स्याही, नक्सल सामग्री, भरमार बंदूक, वायरलेस सेट, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच मुखबिर से नक्सलियों द्वारा नकली नोट छापकर खपाने की सूचना मिली। इस सूचना पर जिला बल, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी को सर्चिंग अभियान के लिए मैलासुर, कोराजगुड़ा, दंतेशपुरम और आसपास के इलाके में रवाना किया गया था। इसी दौरान कोराजगुड़ा के जंगल में जवानों को देखकर नक्सली भाग खड़े हुए। इलाके में सर्चिंग करने पर अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखे नकली नोट बनाने के उपकरण, कलर प्रिंटर मशीन, इन्वर्टर मशीन, कलर इंक, नकली नोट जैसे अन्य सामग्री बरामद किया गया।

भारत-बांग्लादेश ने स्वतंत्र, समावेशी और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और बांग्लादेश ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी, सुरक्षित और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन स्तंभ का सह-नेतृत्व करने और आपदा जोखिमों को कम करने के लिए सहयोग करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुई बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। भारत और बांग्लादेश की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारे अभिसारी दृष्टिकोणों और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति क्षेत्र की संवेदनशीलता को पहचानते हुए, हम भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन स्तंभ का सह-नेतृत्व करेंगे। आपदा जोखिमों को कम करने, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और हमारे साझा समुद्री क्षेत्र के पोषण में योगदान करने के लिए सहयोग करेंगे। दोनों देशों ने अपने साझा हितों, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के हितों को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक मंचों पर मिलकर काम करने का संकल्प लिया। संयुक्त बयान में कहा गया कि हमारे व्यापक द्विपक्षीय सहयोग के साथ, हम यह भी कल्पना करते हैं कि भारत-बांग्लादेश संबंध बिम्सटेक, सार्क और आईओआरए वास्तुकला के तहत क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय एकीकरण के लिए एक प्रमुख लंगर बनेंगे। हम अपने साझा हितों, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के हितों को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक मंचों पर मिलकर काम करेंगे। संयुक्त बयान के अनुसार, भारत और बांग्लादेश को आने वाले दिनों में आपसी विश्वास और लाभ के आधार पर संबंधों को 'गहरे और उच्च गुणवत्ता वाले संबंध' तक ले जाने की आवश्यकता है। भारत और बांग्लादेश एक दूसरे के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए वार्ता की शीघ्र शुरूआत, मोंगला और मीरशाराय में बांग्लादेश भारत को दिए गए दो विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का शीघ्र संचालन, नए सीमा-हाट खोलना, द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए व्यापार सुविधा प्रदान करना

और सड़क, रेल, वायु और समुद्री संपर्क में सुधार करना शामिल है। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि अपने लोगों की समृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने का संकल्प लेते हुए, हम एक दूसरे के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करेंगे, जिसमें व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए बातचीत की जल्द शुरूआत, बांग्लादेश द्वारा मोंगला और मीरशाराय में भारत को दिए गए दो विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का जल्द संचालन, नए सीमा-हाट खोलना, द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए व्यापार सुविधा, सड़क, रेल, वायु और समुद्री संपर्क और व्यापार बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है, जो हमारी भौगोलिक निकटता को हमारे लोगों के लिए नए आर्थिक अवसरों में बदल सकता है। हम अपने निजी क्षेत्र को एक दूसरे के आर्थिक विकास के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में नए निवेश के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित और समर्थन भी करेंगे। भारत और बांग्लादेश ने दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्ष अभ्यास, प्रशिक्षण और क्षमता विकास के बहुआयामी सैन्य जुड़ाव के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, कि क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सद्भाव सुनिश्चित करने में दोनों देशों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए, हम दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के साथ अपने रक्षा सहयोग को मजबूत करेंगे। बांग्लादेश सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की योजनाओं के अनुरूप, हम बांग्लादेश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए रक्षा औद्योगिक सहयोग की संभावना तलाशेंगे, ताकि रक्षा के लिए उनकी क्षमता को मजबूत किया जा सके। इसमें आगे कहा गया कि हम अभ्यास, प्रशिक्षण और क्षमता विकास के अपने बहुआयामी सैन्य जुड़ावों के लिए बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में जल संसाधन प्रबंधन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, दोनों राष्ट्र संयुक्त नदी आयोग की सिफारिशों के आधार पर डेटा के आदान-प्रदान और अंतरिम जल बंटवारे के लिए रूपरेखा तैयार करने को प्राथमिकता देने में लगे हुए हैं। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार भारत और बांग्लादेश ने 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने के लिए एक संयुक्त तकनीकी समिति के गठन का स्वागत किया। संयुक्त वक्तव्य में आगे लिखा गया है कि हमारे विकास सहयोग के हिस्से के रूप में, हम आपसी सहमति से तय समय सीमा के भीतर भारतीय सहायता से बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन का भी काम करेंगे।

भारत और बांग्लादेश ने मुक्त, खुले, समावेशी, सुरक्षित और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। 21 जून को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचीं। विदेश मामलों के नवनियुक्त राज्य मंत्री (एमओएस) कीर्तिवर्धन सिंह ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद यह पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा थी। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना उन वैश्विक नेताओं में शामिल थीं, जिन्होंने 9 जून को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था।

पीड़ितों से मिलने पहुंचे कमल हासन

भाजपा ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं की चुप्पी पर साधा निशाना

नयी दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी का मुद्दा गरमाया हुआ है, जिसमें अब तक 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक को निशाना पर लिया। दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि इस मामले पर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं की चुप्पी काफी चौंकाने वाली है। पात्रा ने कहा, तमिलनाडु के करुणापुरम गांव में घटी जहरीली शराब की त्रासदी बेहद दुखद है। यहां अनुसूचित जाति के लोग ज्यादा रहते हैं। 56 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई की हालत गंभीर है। कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन के नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं?' उन्होंने आगे कहा कि अगर इस देश में 32 से अधिक दलित मारे जाते हैं, तो मैं इसे हत्या कहूंगा, यह मौत नहीं है। इसके अलावा मक्कल निधि मैयम

(एमएनएम) के प्रमुख कमल हासन ने रविवार को कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जाकर पीड़ितों से मुलाकात की। हासन ने कहा कि इन पीड़ितों को समझना होगा कि उन्होंने अपनी सीमा पार कर ली है और वे लापरवाह हैं। उन्हें सावधान रहना होगा। उन्हें अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार से मेरा अनुरोध है कि वे मनोरोग केंद्र बनाएं, जो उन्हें परामर्श देंगे। उन्हें कभी-कभार शराब पीनी चाहिए, या फिर सामाजिक तौर पर शराब पीनी चाहिए। लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि किसी भी रूप में सीमा पार करना, चाहे वह चीनी हो या कोई और चीज, बुरा है।

18वीं लोकसभा सत्रः महताब की नियुक्ति के मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामे के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा और 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। भाजपा नेता और सात बार से सदस्य भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद का असर सत्र पर भी पड़ने की संभावना है। विपक्ष ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने इस पद के लिए कांग्रेस सदस्य के सुरेश के दावे को नजरअंदाज किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि महताब लगातार सात बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं।

इससे वह इस पद के लिए योग्य हैं, जबकि सुरेश 1998 और 2004 में चुनाव हार गए थे। इससे उनका मौजूदा कार्यकाल निचले सदन में लगातार चौथा कार्यकाल है। इससे पहले वह 1989, 1991, 1996 और 1999 में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में महताब को लोकसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाएंगी।

इसके बाद महताब संसद भवन पहुंचेंगे और सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू करेंगे। 18वीं लोकसभा की पहली बैठक के अवसर पर सदस्यों द्वारा एक मिनट का मौन रखने के साथ कार्यवाही शुरू होगी। इसके बाद लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह निचले सदन के लिए चुने गए सदस्यों की सूची सदन के पटल पर रखेंगे। इसके बाद महताब लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सदन की सदस्यता की शपथ लेने के लिए आमंत्रित करेंगे। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अध्यक्षों के पैनल को शपथ दिलाएंगे, जो 26 जून को अध्यक्ष के चुनाव तक सदन की कार्यवाही चलाने में उनकी सहायता करेंगे। राष्ट्रपति ने लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में महताब की सहायता के लिए कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), टी आर बालू (डीएमके), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंदोपाध्याय (टीएमसी) को नियुक्त किया है। अध्यक्षों के पैनल के बाद, प्रोटेम स्पीकर मंत्रिपरिषद के सदस्यों को लोकसभा के सदस्यों के रूप में शपथ दिलाएंगे। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव बुधवार को होगा और इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री अपने मंत्रिपरिषद का सदन में परिचय कराएंगे। राष्ट्रपति 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस 28 जून को शुरू होगी। प्रधानमंत्री द्वारा 2 या 3 जुलाई को बहस का जवाब देने की उम्मीद है। दोनों सदनों के थोड़े समय के लिए अवकाश पर जाने और 22 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश करने के लिए पुनः एकत्र होने की उम्मीद है।

मायावती ने भतीजे को फिर बनाया बसपा का राष्ट्रीय संयोजक

लखनऊ, एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने रविवार को लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर की एक समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में केंद्रीय पदाधिकारियों के अलावा राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद पहली बार आयोजित हुई बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गयी। इस बैठक में सबसे अहम फैसला जो लिया गया वो ये था कि मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। इतना ही नहीं आकाश को दोबारा से बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक भी बना बनाया गया है। एक दिन पहले शनिवार को आकाश को उत्तराखंड और

पंजाब उपचुनाव के लिए पार्टी का स्टार प्रचारक बनाने की घोषणा की गयी थी। आकाश आनंद ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान सीतापुर में एक चुनावी रैली में भाजपा को आतंकवादी पार्टी बता दिया था, जिसके बाद मायावती ने बड़ा कदम उठाते हुए उन्हें बसपा के राष्ट्रीय संयोजक पद से हटा दिया था। मायावती ने उस समय दिए अपने बयान में कहा था कि आकाश को अभी और परिपक्व होने की जरूरत है। बता दें, तमाम कोशिशों और जबरदस्त प्रचार के बावजूद पार्टी लोकसभा चुनाव में अपना खाता नहीं खोल पायी थी। पार्टी को चुनाव में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। बसपा प्रमुख ने सात मई की रात एक्स पर पोस्ट किये गये अपने एक संदेश में कहा था, बसपा एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान, स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी आंदोलन है, जिसके लिए कांशीराम जी व खुद मैंने भी अपनी पूरी जिंदगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि इसी क्रम में पार्टी में अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही आकाश आनन्द को राष्ट्रीय समन्वयक व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया लेकिन पार्टी व आंदोलन के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है।

शिक्षा व्यवस्था को माफिया के हवाले कर दिया मोदी सरकार : प्रियंका

नयी दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने नीट-यूजी सहित राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर रविवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इसने पूरी शिक्षा प्रणाली को माफिया और भ्रष्टाचारियों के हवाले कर दिया है। कांग्रेस नेता की इस टिप्पणी के ठीक एक दिन पहले, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार निकाय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा और परीक्षा में सुधार की सिफारिशों के

लिए एक समिति गठित की है। केंद्र सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया और मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक) में अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंप दी।

दुनिया में बढ़ी पाक बासमती की डिमांड, पिछड़ रहा भारतीय बासमती चावल

करनाल/लुधियाना, एजेंसी

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां बड़े स्तर पर कृषि की जाती है। कुछ फसलें ऐसी भी हैं जो सिर्फ भारत ही नहीं विश्व के सैकड़ों देशों में निर्यात होती है, उनमें से बासमती चावल भी एक है, क्योंकि भारत में उत्तम किस्म की बासमती लगाई जाती है। भारत के बासमती चावल की सुगंध विदेश से व्यापारियों को यहां खींच लाती है जिसके चलते भारत का बासमती चावल विदेश में काफी मशहूर है। लेकिन इन दिनों भारत सरकार के एक फैसले के चलते दुनिया में पाकिस्तानी बासमती की डिमांड बढ़ गई है। भारत की बात करें तो वैसे तो देश के कई राज्यों में बासमती चावल लगाया जाता है, लेकिन हरियाणा और पंजाब बासमती चावल के लिए मशहूर है। हरियाणा में बासमती चावल करनाल जिले के आसपास लगाया जाता है। इसकी खास बात ये है कि ये आकार में लंबा पतला और इससे आने वाली सुगंध अपने आप में इसे खास बनाती है और इसी के चलते करनाल को धान का कटोरा भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर बड़े स्तर पर बासमती चावल की खेती की जाती है। हरियाणा के किसान इसको बड़ी मात्रा में लगाते हैं क्योंकि किसान बासमती चावल से अच्छा मुनाफा कमाते हैं। हरियाणा के करनाल के आसपास लगाए जाने वाले बासमती चावल की डिमांड विदेश में भी है। वहीं बासमती चावल को विदेश में निर्यात करने के लिए सरकार ने 950 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाया हुआ है, जो एक निर्धारित मूल्य है और इससे कम भाव में इसे विदेश में एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकता। हालांकि एमईपी को लेकर सरकार और एक्सपोर्टर्स में काफी विवाद भी हुआ क्योंकि इसे पहले 1200 डॉलर प्रति टन फिक्स कर दिया गया था जिसका काफी ज्यादा विरोध देखने को मिला। फिर बाद में इसे घटाकर 950 डॉलर प्रति टन कर

दिया गया था, जो अब भी चल रहा है। वहीं पाकिस्तान इससे कम कीमत पर अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में बासमती चावल बेच रहा है जिसके चलते उसके चावल की डिमांड बढ़ गई है। पाकिस्तान के कम कीमत पर बासमती चावल बेचने के मामले में बोलते हुए करनाल के तरावड़ी राइस मील और डीलर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी राकेश कहते हैं कि पाकिस्तान में आर्थिक तंगी चल रही है, ऐसे में उनके लिए विदेशी डॉलर ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हासिल करने की मजबूरी है। वहां के क्या हालात है, सबको मालूम है, ऐसे में अगर वे कम कीमत पर बासमती बेच रहे हैं तो ये उनकी मजबूरी है। जहां तक भारतीय बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर असर की बात है तो हमारा चावल विदेश में पहले भी लोकप्रिय था और आगे भी रहेगा। हालांकि वे सरकार से 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी हटाने की मांग जरूर कर रहे हैं जिससे किसानों और व्यापारियों को ज्यादा फायदा मिल सके। वहीं स्थानीय कमीशन एजेंट सुल्तान सिंह का कहना है कि पाकिस्तान के कम दाम में बेचने से कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है क्योंकि हमारे चावल की गुणवत्ता पाकिस्तान के चावल से काफी बेहतर है और लोग भारत का ही बासमती चावल खाना पसंद करते हैं। वहीं पंजाब की बात करें तो यहां लगभग 32 लाख हेक्टेयर में धान की बुवाई होती है जिसमें 16% हिस्सा बासमती चावल की खेती का होता है। यहां भी किसान निर्यात ड्यूटी को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। राइस मिलर बिंट्टा ने कहा कि पाकिस्तान की करेंसी में भी फर्क है और वहां पर इस बार बंपर फसल भी हुई है, जिस वजह से पाकिस्तान बड़ी तादाद में धान की फसल को एक्सपोर्ट कर रहा है। दूसरी ओर पूरे मामले पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा है कि केंद्र सरकार की ओर से पिछले दिनों 14 फसलों की एमएसपी में वृद्धि की गई है, उससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। पाकिस्तान की ओर से ज्यादा चावल के निर्यात को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बाहर हमारे देश से बासमती या बाकी चावल निर्यात करने पर भारत की ब्रांडिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे किसानों से ये अपील भी करेंगे कि जब तक वे अपने उपज की ब्रांडिंग नहीं करेंगे, अपनी पैकेजिंग नहीं करेंगे, तब तक उनकी आय में समुचित वृद्धि नहीं होगी। बिट्टू ने कहा कि हम इस क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं और उनको उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इसके बेहतर नतीजे भी जरूर देखने को मिलेंगे।

न्यूज फ्लैश

सूर्या बने बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच, विव रिचर्ड्स ने ड्रेसिंग रूम जाकर किया सम्मानित

नॉर्थ साउंड (एंटीगुआ), एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच शनिवार को खेले गए सुपर-8 मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 50 रनों से हराया। इस धमाकेदार जीत के बाद हर मैच की तरह इस बार भी फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बेस्ट फिल्डर ऑफ द मैच अवॉर्ड का ऐलान किया। इस बार की अवॉर्ड सेरेमनी काफी स्पेशल रही, क्योंकि मेडल देने के लिए वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज सर विव रिचर्ड्स ड्रेसिंग रूम पहुंचे। एंटीगुआ में तेज हवा के बावजूद बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास का रनिंग कैच लेने वाले दाएं हाथ के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बेस्ट फील्डर का मेडल जीता। टीम इंडिया के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने घोषणा की कि यह पुरस्कार वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी द्वारा प्रदान किया जाएगा, जिनके नाम पर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम का नाम रखा गया है। बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दिलीप ने कहा कि आज हमारे पास एक सच्चा लीजेंड है। हर मायने में गेम चेंजर, जिसने हर मायने में दिखाया कि महानता के लिए प्रयास करना क्या होता है। वह कोई और नहीं बल्कि सर विवियन रिचर्ड्स हैं। टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम पहुंचने पर सर विवियन रिचर्ड्स का भारतीय खिलाड़ियों ने जोरदार स्वागत किया। सर विव रिचर्ड्स ने सूर्यकुमार यादव को फील्डर ऑफ द मैच का पदक प्रदान किया और उन्हें गले लगाकर बधाई दी। सूर्या को बेस्ट फील्डर का मेडल देने के बाद रिचर्ड्स ने हंसते हुए कहा कि मैं केवल इतना कह सकता हूं कि अगर मैरून में वे लोग ऐसा नहीं कर पाए, तो मैं आपके कमरे में वापस आ जाऊंगा। रिचर्ड्स ने भीषण सड़क हादसे के बाद वापसी करने वाले बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की तारीफ की और कहा कि 'पंत, आपने जो कुछ भी झेला है, उसके बाद आपको वापस देखकर बहुत अच्छा लगा। हम आपकी शानदार प्रतिभा और भविष्य में आपके द्वारा किए जाने वाले प्रदर्शन को मिस कर रहे होते। वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने टूनार्मेंट में अब तक भारत के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की।

बजरंग पुनिया को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए नाडा ने फिर से निलंबित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया को मूत्र का नमूना देने से इनकार करने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) से औपचारिक आरोप का नोटिस मिला है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप, कई विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता को एक बार फिर नाडा ने अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया है। पिछले महीने, 10 मार्च को सोनीपत में चयन ट्रायल के दौरान नाडा को अपना मूत्र का नमूना देने से इनकार करने के बाद पुनिया को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया गया था। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार नाडा ने गुरुवार को नवीनतम आदेश जारी किया और उन्हें 11 जुलाई तक नवीनतम निलंबन का जवाब देने के लिए कहा गया है। अपने प्रारंभिक अनंतिम निलंबन आदेश की रिपोर्ट के बाद, पहलवान ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने कभी भी अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया, और नाडा अधिकारियों से उस एक्सपायर किट के बारे में प्रतिक्रिया मांगी, जिसे उन्होंने उनका नमूना लेने के लिए भेजा था। बाद में, एंटी डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल ने 30 वर्षीय पहलवान के निलंबन को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया कि नाडा ने इस साल मार्च में कथित तौर पर हुए एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन के लिए बजरंग पर औपचारिक रूप से आरोप नहीं लगाया था।

फ्रांस और नीदरलैंड का मैच गोलरहित ड्रा रहा

लीपजिग, एजेंसी

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे पिछले मैच में लगी चोट के कारण नहीं खेल पाए जिसका फायदा उठाकर नीदरलैंड ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के मैच में फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। फ्रांस की ऑस्ट्रिया के खिलाफ पिछले मैच में 1-0 से जीत के दौरान एमबापे की नाक में चोट लग गई थी और उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध था। एमबापे ने गुरुवार को मास्क पहनकर अभ्यास किया था और फ्रांस केकोच डिडिएर डेसचैम्प्स को उम्मीद थी कि यह स्टार फुटबॉलर नीदरलैंड के खिलाफ मैच तक फिट हो जाएगा। उन्होंने हालांकि नीदरलैंड के शारीरिक रूप से मजबूत डिफेंडरों के सामने एमबापे को उतारने का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा। एमबापे जब टीम बस से उतरे तो काफी सहज नजर आ रहे थे। उन्होंने धूप का चश्मा पहन रखा था लेकिन उनकी नाक पर पट्टी नहीं लगी थी। फ्रांस को मैच में उनकी कमी खली और उसे आखिर में नीदरलैंड के खिलाफ अंक बांटने पड़े। फ्रांस और नीदरलैंड के ग्रुप डी में अब चार-चार अंक हैं। ऑस्ट्रिया के तीन अंक हैं। उसने ग्रुप के अपने दूसरे मैच में शुक्रवार को पोलैंड को 3-1 से हराया था। पोलैंड के दो मैच में कोई अंक नहीं हैं और उसके आगे बढ़ने की संभावना समाप्त हो गई है। अगर वह फ्रांस को हरा देता है तो तब भी आगे नहीं बढ़ पाएगा क्योंकि उसे ऑस्ट्रिया से हार का सामना करना पड़ा है।

अफगानियों ने किया बड़ा उलटफेर

शक्तिशाली कंगारुओं को दिया मात

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में 46 वां मुकाबला ऑस्ट्रेलिया बनाम अफगानिस्तान के बीच खेला गया। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने लाजवाब प्रदर्शन करते हुए कंगारुओं को 21 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरे अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के अर्धशतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 148 रन बनाए। इतना ही नहीं इन दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 95 गेंदों में 118 रन की साझेदारी की। हालांकि, इन दोनों के आउट होने के बाद टीम अपने स्कोर में सिर्फ 30 रन ही जोड़ पाई। रहमानुल्लाह गुरबाज ने एक बार फिर जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 60 रन बनाए वहीं, इब्राहिम जादरान ने 48 गेंदों में 51 रन की पारी खेली हालांकि, उन्होंने सिर्फ 6 छक्के लगाए और एक भी चौका नहीं लगा पाए। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने खास प्रदर्शन नहीं किया और टीम 148 तक ही पहुंच पाई। करीम जन्नत ने 9 गेंदों में 13, कप्तान राशिद खान 5 गेंदों में 2, मोहम्मद नबी 4 गेंदों में 10 गुलबदीन नाइब 0 के स्कोर के साथ पवेलियन लौटे। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज पैट कमिंस ने रिकॉर्ड बनाते हुए इस विश्व कप की दूसरी हैट्रिक ली। इसके अलावा एडम जंपा ने 2 और मार्कस स्टॉयनिस ने 1 विकेट हासिल की। अफगानिस्तान के 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को पहले ही ओवर में झटका लगा। नवीन उल हक ने सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (0) को तीसरी ही गेंद पर पवेलियन की राह दिखा। उसके बाद फिर अपना दूसरा ओवर लेकर आए नवीन ने कप्तान मिशेल मार्श (12) को चलता किया। छठे ओवर में डेविड वार्नर भी 3 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को ग्लेन मैक्सवेल ने जिंदा रखा और एक तरफ से छोर संभालते हुए 41 गेंदों में 59 रन की पारी खेली। एक बार को ऐसा लगा था कि यह मैच मैक्सवेल आसानी से जिता देंगे और यह ऑस्ट्रेलिया के हाथ से निकल गया है। लेकिन गुलबदीन नाइब के शानदार स्पैल ने एक बार फिर मैच को अफगानिस्तान की तरफ मोड़ दिया। 15वां ओवर लेकर आए गुलबदीन नाइब ने चौथी गेंद पर मैक्सवेल को आउट कर दिया। जहां नूर अहमद ने शानदार प्रयास करते हुए मैक्सवेल का बेहतरीन कैच पकड़ा। उसके बाद कप्तान राशिद खान ने मैथ्यू वेड को करीम जन्नत के हाथों कैच कराया। आखिर में पैट कमिंस की विकेट ने पूरा मैच अफगानिस्तान के पाले में ड़ाल दिया। जहां सिर्फ औपचारिकताएं बची थी। क्योंकि आखिरी 2 ओवर में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 33 रन चाहिए थे और सिर्फ एक विकेट हाथ में था। गुलबदीन नाइब को उनके स्पैल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। नाइब ने अपने हर ओवर में एक विकेट झटका। उसके बाद नवीन उल हक ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। कप्तान राशिद खान, फजल हक फारूकी और मोहम्मद नबी ने एक विकेट लिया।

जश्न में डूबा पूरा अफगानिस्तान खिलाड़ियों ने भी जमकर किया डांस

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने वनडे विश्व कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार का बदला लिया। इस शानदार जीत के बाद अफगानी खिलाड़ियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए खूब सेलिब्रेट किया। साथ ही अफगानिस्तान में फैंस ने भी जमकर जश्न मनाया। अफगानिस्तान की जीत के जश्न के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। अफगानिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी और उनके गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें टीम के खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो के चर्चित 'चैंपियंस' गाने की धुन पर नाचते नजर आ रहे हैं। पूरी टीम ने बस में ट्रेवल के दौरान अपने डांस मूव्स दिखाए और गाने का हुक स्टेप भी किया। अफगानी खिलाड़ियों का डांस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के बाद अफगानी खिलाड़ी 7वें आसमान पर थे और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में उनके चेहरों पर खुशी साफ जाहिर हो रही है। ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद अफगानिस्तान की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज गुलाबदीन नायब को खिलाड़ियों ने मैदान से पीठ पर उठा लिया और ड्रेसिंग रूम तक ऐसे ही लेकर गए। खिलाड़ियों ने इस दौरान उन्हें खूब चियर और जमकर जश्न मनाया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरा अफगानिस्तान जश्न में डूब गया। फैंस अपने घरों से बाहर निकलकर सड़क पर एकजुट हो गए और इस जीत को अलग अंदाज में सेलिब्रेट किया। फैंस ने खूब आतीशबाजी की और जीत का जश्न मनाया।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद यूएफा यूरो मुकाबलों में सुरक्षा बढ़ायेगा

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी

यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जायेगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा (यूरोपीय फुटबॉल संघों के संघ) ने रविवार को कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किये जायेंगे, हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गयी। यूएफा ने कहा कि पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जायेगा, टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जायेगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जायेगी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान शनिवार को चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गये थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की। हालांकि वे सिर्फ सेल्फी लेना चाहते थे लेकिन टूर्नामेंट सुरक्षा योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को किसी भी नुकसान से बचाना भी शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के बाद राशीद खान बोले

वनडे वर्ल्ड कप हार ने मुझे सोने नहीं दिया

सेंट विंसेंट, एजेंसी

एक ऐसे मैच में जिसे आने वाले कई सालों तक याद रखा जाएगा, अफगानिस्तान ने टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत हासिल की, जिसका श्रेय काफी हद तक उनके स्टार खिलाड़ी राशिद खान के नेतृत्व और प्रदर्शन को जाता है। इस जीत ने न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया, बल्कि राशिद की सूझबूझ और खेल में भावनात्मक निवेश को भी दर्शाया। मैच के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, राशिद ने पिछले साल ग्लेन मैक्सवेल की पारी के बाद अपनी नींद हराम करने वाली रात को याद किया। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी रात थी जिसने मुझे सोने नहीं दिया। मैच मेरे दिमाग में बार-बार आ रहा था, और 90 प्रतिशत से अधिक हम खेल में थे और मैक्सी ने उस रात जिस तरह से खेला, उसने मैच को हमसे दूर कर दिया। राशिद ने अपनी मानसिकता पर पिछली हार के प्रभाव को स्वीकार किया, जो उनके प्रदर्शन में उनके द्वारा डाले गए गहन दबाव को दर्शाता है। पिछली हार के भावनात्मक बोझ के बावजूद, राशिद का ध्यान वर्तमान क्षण और ऑस्ट्रेलिया पर अफगानिस्तान की जीत के महत्व पर रहा। उन्होंने एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में अफगानिस्तान के लिए जीत के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा कि 'ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराना घर पर लोगों को बहुत उम्मीद देता है, खासकर युवा पीढ़ी को जो क्रिकेट में शामिल हो रही है। क्रिकेट घर पर खुशी का एकमात्र जरिया है।

ऑस्ट्रेलिया की हार से सेमीफाइनल का गणित हुआ रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में आज रविवार को अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया है। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। पैट कमिंस ने जहां एक बार फिर हैट्रिक लगाकर रिकॉर्ड कायम किया है वहीं, अफगानिस्तान ने ग्लेन मैक्सवेल का अर्धशतक और पैट कमिंस की हैट्रिक को दरकिनार करते हुए अपना लोहा मनवाया है। उनकी इस जीत ने ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत के खिलाफ सोमवार को खेले जाने वाले मुकाबले में करो या मरो की स्थिति पैदा कर दी। सेमीफाइनल के गणित में भारतीय टीम सबसे ज्यादा सुरक्षित है। क्योंकि, उसने अपने पहले दोनों मुकाबलों में अफगानिस्तान और बांग्लादेश को हराया है। अगर अगले मुकाबले में भारत ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो भारतीय टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगा। लेकिन अगर नहीं हरा पाता है तब भी उसे अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश के परिणाम का इंतजार करना होगा। अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपना तो आखिरी मुकाबला जीतना ही है लेकिन उसे आसानी से क्वालीफाई करने के लिए भारत की जीत की भी दुआ करने होगी। अगर भारत हार जाता है तब रनरेट के आधार पर दोनों टीमों के सेमीफाइनल के भाग्य का फैसला करेगा। भारतीय टीम अपना आखिरी मुकाबला हारती है और अफगानिस्तान भी अपना आ-खरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ जीत जाता है तो ऐसी स्थिति में तीनों टीमों के 6-6 अंक हो जाएंगे, ऐसे में रनरेट के आधार पर टॉप-2 टीमें क्वालीफाई करेंगी। लेकिन, भारतीय टीम यह रिस्क किसी भी स्थिति में नहीं लेना चाहेगी। सेमीफाइनल के इस गणित में भारतीय टीम भी चाहेगी कि वह ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी स्थिति और मजबूत करे और अफगानिस्तान चाहेगा कि भारत अपना आखिरी मुकाबला जीते। ताकि, वह बांग्लादेश को हराकर सीधे सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर ले।

मार्क जोथनपुइया तीन साल के करार के साथ ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

कोलकाता, एजेंसी

ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं। ईस्ट बंगाल एफसी परिवार में जोथनपुइया का स्वागत करते हुए इमामी समूह के विभाष वर्धन अग्रवाल ने कहा कि मार्क भारत के सबसे बहुमुखी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने की कोशिश करेंगे। इमामी समूह ईस्ट बंगाल एफसी में बहुलांश हितधारक है। मिजोरम के इस खिलाड़ी के पास एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीमलिए 2020-21 सत्र में खेलने का अनुभव है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल का खिताब जीतने वाली इस टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस करार पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। कोलकाता भारतीय फुटबॉल का मक्का है और मैं ईस्ट बंगाल के प्रशंसकों से अद्भुत समर्थन का अनुभव करने के लिए इंतजार कर रहा हूं।

जीएसटी क्षतिपूर्ति : राज्यों को मुआवजा देने को लिए गए कर्ज को समय से पहले चुका सकता है केंद्र

राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए मुआवजा उपकर को शुरू में पांच साल के लिए लाया गया था

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति के तहत राज्यों को मुआवजा देने को लिए गए कर्ज का समय से पहले भुगतान कर सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र ने वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में जीएसटी राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए राज्यों को मुआवजा देने को 2.69 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। उन्होंने बताया कि कर्ज को तय समय से चार महीने पहले नवंबर, 2025 तक चुकाया जा सकता है। बाजार से लिए गए कर्ज का पूरा भुगतान मार्च, 2026 तक किया जाना था। अधिकारी ने कहा कि अगस्त में जीएसटी परिषद की अगली बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है। माल और सेवा कर लागू होने के बाद राज्यों के राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए मुआवजा उपकर को शुरू में पांच साल के लिए लाया गया था। क्षतिपूर्ति उपकर जून, 2022 में खत्म हो गया, लेकिन लेवी के जरिये जमा की गई राशि का उपयोग केंद्र द्वारा कोविड-19 के दौरान उधार लिए गए 2.69 लाख करोड़ रुपये के ब्याज और मूलधन को चुकाने के लिए किया जा रहा है। जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में शनिवार को कर्नाटक ने क्षतिपूर्ति उपकर लगाने, ऋण राशि के पुनर्भुगतान और आगे की व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा उठाया था। अधिकारी ने कहा कि राज्यों को बता दिया गया है कि ऋण राशि का भुगतान जल्दी किया जा सकता है। मार्च, 2026 के बजाय नवंबर, 2025 तक ऐसा हो सकता है। इसलिए नवंबर, 2025 से आगे उपकर राशि का बंटवारा कैसे किया जाएगा, इस सब पर अगली परिषद की बैठक में चर्चा की जाएगी।

वर्ष -60, रजिस्ट्रेशन संख्या : WB HIN/ 00780 **अखबार के स्वामी** : के के एम पब्लिशर के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** राजीव नयनम द्वारा प्रकाशित तथा एल.एस. पब्लिकेशन प्रा. लि. 4 केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित और के के एम पब्लिशर, 7 मैंगोलेन (प्रथम तल), कोलकाता-700001 से प्रकाशित.
संपादक - अशोक पांडेय*, फोन - 033-48032897, मेल - sutrakaar.news @gmail.com